page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/11/2025 1:38 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जीडीसी हीरानगर में पॉश अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

5 टी 20 विश्व कप की तैयारी के लिए हमारे पास अभी तीन महीने हैं: गंभीर

8 बरसीम- पौष्टिक दलहनी चारा फसल

मौसम जम्मू — न्यूनतम 11 — अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-276 | जम्मू तवी, मंगलवार 11 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास धमाका, आठ की मौत, 19 घायल

नई दिल्ली, 10 नवंबर । राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर एक के पास सोमवार शाम एक कार में जोरदार धमाका हुआ जिससे कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। करीब 6 बज कर 55 मिनट पर हुई इस घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। कार में धमाके बाद आसपास खड़ी गाड़ियां भी आग की चपेट में आ गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग, कैट्स एंबुलेंस, सीआरपीएफ के अलावा एनआईए की टीम मौके पर पहुंची। मौत का आंकड़ा बढ़ने की संभावना है। राहत बचाव दल ने स्थानीय लोगों की मदद से एक-एक कर 27 लोगों को निकाला गया। धमाके में कम से कम आठ लोगों की मौत होने की सूचना है। जबकि 19 लोगों घायल हुए हैं। जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतकों के शव लोक नारायण जयप्रकाश अस्पातल (एलएनजेपी) में ले जाए गए हैं।

घटना के तुरंत बाद गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से बात कर घटना के बारे में जानकारी ली। वहीं घटनास्थल पर एनएसजी, एनआईए और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गईं। दमकल विभाग के प्रवक्ता एके मलिक ने बताया कि दमकल कंट्रोल रूम को 6 बजकर 55 मिनट पर धमाके की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आसपास के दमकल स्टेशन से एक-एक कर सात गाड़ियों को मौके पर भेजा। मलिक ने बताया कि दमकलकर्मियों ` आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारी के अनुसार घटना में छह कार, दो ई-रिक्शा, एक टैम्पो व एक बस में आग लगी थी। वहीं कार में हुआ धमाका इतना जोरदार था, कि कार के परखच्चे उड़ गए। दमकल अधिकारी सीएल मीणा ने बताया कि दमकल के पहुंचने से पहले कई लोगों को स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती करा दिया था।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत तमाम नेताओं ने जताई संवेदनाएं

नई दिल्ली, 10 नवंबर । दिल्ली के लाल किले के पास हुई कार ब्लास्ट की घटना में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मनोहर लाल सहित कई अन्य नेताओं ने भी शोक जताया। यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोकाकुलपरिवारों को शक्ति देने और प्रभावितों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) से जुड़े हैं तार - भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और लगभग तीन टन आईईडी सामग्री बरामद

श्रीनगर, 10 नवंबर । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) से जुड़े अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में कई राज्यों में संयुक्त तलाशी के दौरान सात प्रमुख आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान दो पिस्तौल, एके-सीरीज की दो राइफलें, 2,900 किलो विस्फोटक और आईईडी बनाने वाली सामग्री के साथ ही एक चाइनीज स्टार पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल समेत अन्य ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान श्रीनगर के नौगाम निवासी आरिफ निसार डार उर्फ साहिल, श्रीनगर के नौगाम निवासी यासिर-उल-अशरफ, श्रीनगर के नौगाम निवासी मकसूद अहमद डार उर्फ शाहिद, शोपियां की एक मस्जिद के इमाम मौलवी इरफान अहमद, गंदरबल के वाकुरा निवासी जमीर अहमद अहंगर उर्फ मुतलाशा, पुलवामा के कोइल निवासी डॉ. मुज़म्मिल अहमद गनई उर्फ मुसैब और कुलगाम के वानपोरा निवासी डॉ. अदील के रूप में हुई है। इस नेटवर्क से जुड़े और लोगों की पहचान की गई है और उन्हें पकड़ने का प्रयास जारी हैं।

अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई 19 अक्टूबर को श्रीनगर के बनपोरा नौगाम में विभिन्न स्थानों पर पुलिस और सुरक्षाबलों को धमकी देने वाले जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर चिपकाए जाने के बाद की गई। इसके बाद नौगाम पुलिस स्टेशन में यूएपीए अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम सहित कई धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 162/2025 दर्ज की गई और एक उच्च-स्तरीय जांच शुरू की गई।

जांच में अधिकारियों द्वारा सफेदपोश आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र का पता चला है जो कट्टरपंथी पेशेवरों और छात्रों से जुड़ा एक नेटवर्क है जो कथित तौर पर पाकिस्तान और अन्य देशों से संचालित विदेशी आकाओं के संपर्क में है।

पुलिस ने कहा कि समूह ने कथित तौर पर सामाजिक या धर्मार्थ कार्यों के नाम पर पेशेवर और शैक्षणिक हलकों के माध्यम से धन जुटाया गया था।यह मॉड्यूल धन जुटाने रसद की व्यवस्था करने, हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री खरीदने के अलावा व्यक्तियों की पहचान करने उन्हें कट्टरपंथी बनाने और आतंकवादी समूहों में भर्ती करने में भी शामिल था।

जांच के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर, अनंतनाग, गंदरबल और शोपियां में और फरीदाबाद में हरियाणा पुलिस और सहारनपुर में उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ संयुक्त रूप से तलाशी ली गई।

इस दौरान आतंकियों के पास से दो पिस्तौल, दो एके-सीरीज की राइफलें के साथ ही 2,900 किलो विस्फोटक और आईईडी बनाने वाली सामग्री के साथ ही एक चाइनीज स्टार पिस्तौल, एक बेरेटा पिस्तौल, एके-56 राइफल और एके क्रिंकोव राइफल बरामद किया गया है। इसके साथ ही इसमें रसायन, ज्वलनशील पदार्थ, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, रिमोट कंट्रोल, बैटरी, तार, टाइमर और धातु के टुकड़े शामिल थे।

अधिकारियों ने कहा कि विस्फोटकों की भारी मात्रा एक बड़े सुनियोजित हमले की संभावना की ओर इशारा करती है। पुलिस ने कहा कि धन के प्रवाह पर नजर रखने और स्थानीय और सीमा पार संबंधों की पहचान करने के लिए एक विस्तृत वित्तीय जांच की जा रही है। वित्त पोषण और आपूर्ति श्रृंखला के साथ ही सभी पहलुओं का पता लगाने के लिए उन पर तेजी से काम किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जम्मू-कश्मीर में मिलेगी नौकरी, नियम अधिसूचित: मंत्री

श्रीनगर, 10 नवंबर। सरकार ने सोमवार को कहा कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों को जम्मू-कश्मीर में नौकरियां प्रदान की जाएंगी।

युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि डाउनटाउन, विशेष रूप से खानयार निर्वाचन क्षेत्र को पर्याप्त खेल बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार उन युवाओं को बेहतर खेल बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही है जो खेलना चाहते हैं।

मंत्री ने आगे कहा कि बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए यहां मैदान के लिए 1 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नौकरियां प्रदान करेगी क्योंकि इस संबंध में नियम अधिसूचित कर दिए गए हैं

अनंतनाग में प्रतिबंधित पदार्थों के साथ 7 तस्कर गिरफ्तार

जम्मू, 10 नवंबर, हि स। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए अनंतनाग पुलिस ने जिले भर में कई अभियानों में सात मादक पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए।

बिजबेहरा थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सक्रिय कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब्दुल गनी सफी पुत्र मोहम्मद रजब सफी निवासी साथर के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया गया और उसके कब्जे से 1.483 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। एफआईआर केस नंबर 217/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कांडीपोरा निवासी गुलाम कादिर के बेटे फैयाज अहमद गनी के खिलाफ दर्ज किया गया, उसके कब्जे से 10 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। मामले में एफआईआर संख्या 218/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस अधिनियम के तहत गुलाम मोहिउद्दीन डार पुत्र हबीब उल्लाह डार निवासी कांडीपोरा के खिलाफ दर्ज किया गया, उसके कब्जे से 4 किलोग्राम कैनबिस बरामद किया गया।

अभियानों की एक और श्रृंखला में पुलिस ने दो और एफआईआर में चार और ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया। एफआईआर केस संख्या 240/2025 यू/एस 8/20 एनडीपीएस एक्ट अनंतनाग पीएस में अब्दुल वाहिद खान पुत्र फैयाज अहमद खान निवासी चेनी चौक अनंतनाग और आमिर यूसुफ खान पुत्र स्वर्गीय यूसुफ अहमद खान निवासी मलोखग अनंतनाग के खिलाफ दर्ज की गई, जिसमें चरस जब्त की गई।

बडगाम और नगरोटा में उपचुनाव के लिए मतदान आज

जम्मू तवी, 10 नवंबर। मध्य कश्मीर के बडगाम और जम्मू ज़िले के नगरोटा, दो राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार को उपचुनाव होने वाला है। 13 महीनों में दूसरी बार 2.2 लाख से ज़्यादा मतदाता 27 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच होगा। कुल 97,893 मतदाता सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक 154 मतदान केंद्रों पर वोट डाल सकेंगे। सरकार ने मतदान के दिन को सवेतन अवकाश घोषित किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सुचारू मतदान के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ कर ली गई हैं। पर्याप्त सुरक्षा उपाय भी सुनिश्चित किए गए हैं।卐 उन्होंने आगे कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मचारी, स्थिर और मोबाइल निगरानी दल और मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। यह उपचुनाव अक्टूबर 2024 में भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद हो रहा है। उनकी बेटी देवयानी राणा, जो भाजपा की जम्मू-कश्मीर भाजयुमो उपाध्यक्ष हैं, अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपना पहला चुनाव लड़ रही हैं। देवयानी का मुकाबला

2.2 लाख से ज्यादा मतदाता 27 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे

नेशनल कॉन्फ्रेंस की शमीम बेगम और जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष हर्ष देव सिंह से त्रिकोणीय है। इस निर्वाचन क्षेत्र से अन्य उम्मीदवारों में आम आदमी पार्टी (आप) के जोगिंदर सिंह, अपनी पार्टी के बोध राज और भाजपा के बागी अनिल शर्मा जैसे कई निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। नगरोटा, जिसमें जम्मू शहर और आसपास के ग्रामीण इलाके शामिल हैं, पारंपरिक रूप से भाजपा की ओर झुका हुआ है, लेकिन स्थानीय और भावनात्मक कारकों के मिश्रण के कारण इस चुनाव ने असामान्य रूप से ध्यान आकर्षित किया है। जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जोगिंदर सिंह की देखरेख में सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश मिन्हासोन ने सोमवार को बताया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें और मतदान कर्मचारी भेज दिए गए हैं

मुख्य सचिव ने तवी बैराज और रिवरफ्रंट का दौरा कर निर्माण कार्य की गति का आकलन किया

जम्मू, 10 नवंबर । मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज तवी बैराज और रिवरफ्रंट विकास परियोजना पर चल रहे कार्यों की प्रगति का आकलन करने के लिए तवी बैराज परियोजना स्थल का दौरा किया। यह दौरा तवी नदी के किनारे निर्माणाधीन प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के व्यापक मूल्यांकन का हिस्सा था।

इस दौरे के दौरान मुख्य सचिव के साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा, जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार जम्मू नगर निगम के आयुक्त और जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीईओ डॉ. देवांश यादव, जम्मू के उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास सहित संबंधित विभागों और कार्यान्वयन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

क्षेत्रीय निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने दोनों बैराज संरचनाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा के लिए मौके पर एक विस्तृत बैठक की अध्यक्षता की। उन्हें बताया गया कि तवी बैराज के सभी गेट लगा दिए गए हैं और वे काम कर रहे हैं तथा जल-यांत्रिक कार्य अग्रिम चरण में पहुँच गया है।

अधिकारियों ने मुख्य सचिव को हाल ही में आई बाढ़ से हुए नुकसान के कारण चल रहे सुधार कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। बाढ़ की घटनाओं ने कुछ यांत्रिक और नागरिक घटकों को प्रभावित किया है, जिनके जीर्णोद्धार और सुदृढ़ीकरण की गतिविधियाँ वर्तमान में चल रही हैं। बैठक में तवी रिवरफ्रंट विकास परियोजना की भी समीक्षा की गई जो नदी के बाएँ और दाएँ दोनों किनारों पर एक साथ चल रही है। मुख्य सचिव ने परियोजना समय-सीमा के पालन पर ज़ोर दिया और कार्यान्वयन कार्यक्रमों और गुणवत्ता मानकों की कड़ी निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, विशेष रूप से दाएँ किनारे पर। उन्होंने दोहराया कि नदी गलियारे के एकीकृत कायाकल्प और जम्मू के शहरी परिदृश्य के संवर्धन के लिए बैराज और रिवरफ्रंट दोनों घटकों का समय पर पूरा होना आवश्यक है।

न्याय एवं नियमितीकरण की मांग को लेकर दिहाड़ी मजदूरों ने किया प्रदर्शन

जम्मू,10 नवंबर। सैकड़ों दिहाड़ी मजदूरों ने सोमवार को जम्मू में अपनी सेवाओं को नियमित करने और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि वे दशकों से बिना किसी नौकरी की सुरक्षा के काम कर रहे हैं। वरिष्ठ संवाददाता कपीश सिद्धार्थ के अनुसार, इंदिरा चौक के पास शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई), विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) और अन्य नागरिक क्षेत्र की इकाइयों सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रदर्शनकारी नागरिक सचिवालय की ओर बढ़े, लेकिन पुलिस ने उन्हें मुख्य पुल के पास रोक दिया, जिससे कुछ देर के लिए गतिरोध पैदा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुए मजदूरों ने सड़क के कुछ हिस्सों को जाम कर दिया, जिससे इलाके में यातायात बाधित हो गया। पुलिस को उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाने पड़े। दिहाड़ी मजदूरों ने कहा कि वे कई वर्षों से, कुछ मामलों में दशकों से, काम कर रहे हैं, लेकिन उनकी सेवाओं को नियमित नहीं किया गया है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हममें से कई लोग 20-25 साल से ज्यादा समय से काम कर रहे हैं। कुछ तो बिना स्थायी हुए ही सेवानिवृत्त हो गए। हम नियमित कर्मचारियों जितना ही काम करते हैं, फिर भी हमारा वेतन सिर्फ 9,000 रुपये प्रति माह है।मज़दूरों ने आरोप लगाया कि सरकारों द्वारा बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद उनकी माँगें पूरी नहीं हुई हैं।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने उपचुनावों के लिए 11 नवंबर को सवेतन अवकाश घोषित किया

जम्मू, 10 नवंबर । जम्मू-कश्मीर सरकार ने घोषणा की है कि 11 नवंबर (मंगलवार) को विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 27 बडगाम और 77 नगरोटा के उपचुनावों के संबंध में सवेतन अवकाश मनाया जाएगा।

यह निर्णय जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी के तहत सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 16 अक्टूबर, 2025 को जारी सरकारी आदेश संख्या 1355-जेके (जीएडी) 2025 के अनुसार लिया गया है।

आदेश के अनुसार मतदान के दिन को किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या अन्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत सभी व्यक्तियों के लिए सवेतन अवकाश माना जाएगा जो इन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान करने के हकदार हैं। छुट्टी के कारण वेतन में कोई कटौती या कमी नहीं की जाएगी।

आदेश में आगे कहा गया है कि इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाले किसी भी नियोक्ता पर 500 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत ने गतिशील तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया: सिन्हा

जम्मू,10 नवंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 10 नवंबर सोमवार 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई, छत्तीसगढ़ के वार्षिक दीक्षांत समारोह में शिरकत की और उसे संबोधित किया। वरिष्ठ संवाददाता आशुतोष के अनुसार, उपराज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को उद्योगों और राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए नए समाधान प्रदान करने, वैज्ञानिक और तकनीकी सिद्धांतों को वास्तविक उपकरणों में बदलने और यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि भारत नवाचार में अग्रणी हो। उपराज्यपाल ने कहा, 卐हमारा मुख्य उद्देश्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और अत्याधुनिक नवाचार के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देना है।卐 उपराज्यपाल ने स्नातक छात्रों से नई राह तलाशने, अपरंपरागत रास्ते अपनाने और एक नवप्रवर्तक और अग्रणी बनने के लिए अज्ञात को जानने का साहस रखने का

आह्वान किया। उन्होंने कहा, 卐जहाँ निडरता है, वहाँ आविष्कार है। जहाँ साहस है, वहाँ नई वैज्ञानिक खोज है।卐 उपराज्यपाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियाँ अभी अपेक्षाकृत प्रारंभिक अवस्था में हैं और हम त्वरण के एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं जो भविष्य में विकास और प्रगति को गति प्रदान करेगा। उपराज्यपाल ने कहा, 卐भारत नवाचार के प्रमुख क्षेत्रों में एक वैश्विक नेता है और हम एक गतिशील प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सफल रहे हैं और दुनिया के गहन-तकनीकी उपक्रमों का नेतृत्व करेंगे। उपराज्यपाल ने अपने संबोधन में युवा इंजीनियरों और विज्ञान स्नातकों के लिए नए अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भविष्य में जनरेटिव डिज़ाइन और प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस पेशेवरों की मांग बढ़ेगी। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और विकास क्षेत्र में 5न से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है और वैश्विक मांग को देखते हुए, हर साल लाखों पेशेवरों की आवश्यकता होगी। जलवायु परिवर्तन के कारण, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकी क्षेत्र नए अवसर लेकर आया है। उन्होंने आगे कहा कि रक्षा प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, जैव प्रौद्योगिकी, स्वचालन, रोबोटिक्स और स्वास्थ्य सेवा युवा पेशेवरों के लिए अन्य उच्च विकास क्षेत्र हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक और इंजीनियर प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों की खोज के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और पहले से बेहतर, तेज़ और अधिक कुशल तकनीक का आविष्कार करने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री को लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने कितने वादे पूरे किए : महबूबा मुफ़्ती

जम्मू, 10 नवंबर। पीडीपी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हर सवाल का जवाब देने के बजाय उन्हें लोगों के पास जाकर बताना चाहिए कि उन्होंने कितने वादे किए और साल भर में कितने मुद्दों का समाधान किया। जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अक्सर सार्वजनिक बयानों में पीडीपी का ज़िक्र करते हैं। उन्होंने कहा कि शासन पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय वह पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों की तरह बार-बार पीडीपी का ज़िक्र करते हैं। मुफ्ती ने स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर भी बात की और कहा कि अब्दुल्ला पहले इनका विरोध करते थे लेकिन अब इन्हें लगाने का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि गैस सिलेंडर वितरण से जुड़े वादे पूरे नहीं हुए हैं और गैस की कीमतें और बेरोज़गारी बढ़ी है। कश्मीर में कैदियों के बारे में मुफ्ती ने कहा कि पीडीपी ने परिवारों की मदद करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि जब सभी दरवाजे बंद थे तब हमने अधिकारियों से संपर्क किया था। एक परिवार है जिसके पिता अंधे हैं और एक कैदी भी अंधा है उसकी छोटी बहनें भी हैं। कैदी बिना किसी अपराध के 7-8 साल से जेल में है। हमें न्याय के लिए अदालत जाना पड़ सकता है। मुफ्ती ने बिजली और ज़मीन से जुड़ी नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिन निवासियों ने मुफ़्त बिजली का वादा किया था उन्हें अब मीटर न लगवाने के कारण बिजली चोर माना जा रहा है। इसी तरह, दशकों से सरकारी ज़मीन पर रहने वालों को ज़मीन हड़पने वाला करार दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अवंतीपोरा स्थित आईयूएसटी के 20वें स्थापना दिवस का उद्घाटन किया

जम्मू,10 नवंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को इस्लामिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आईयूएसटी), अवंतीपोरा के 20वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जम्मू-कश्मीर में उच्च शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई ताकि युवा इस क्षेत्र को एक प्रगतिशील और ज्ञान-आधारित भविष्य की ओर ले जा सकें। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय को हार्दिक बधाई दी और पिछले दो दशकों में आईयूएसटी की उल्लेखनीय प्रगति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, अक्सर महान चीजें साधारण शुरुआत से ही आती हैं। आज मैं यहां बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक वातावरण और छात्रों की गुणवत्ता में जो विकास देख रहा हूं, वह दर्शाता है कि आईयूएसटी सीखने और नवाचार के एक केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। शिक्षा परिदृश्य में बदलाव पर विचार करते हुए, उमर अब्दुल्ला ने नई शिक्षा नीति के महत्व और छात्रों के लिए इसके लचीलेपन पर प्रकाश डाला।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

क्वींसटाउन

दुनिया की रोमांच राजधानी

उस शहर जाने की कल्पना ही रोमांचक हो सकती है जिसे दुनिया की एडवेंचर कैपिटल के रूप में शोहरत हासिल हो। जिन्हें हम एक्सट्रीम एडवेंचर की संज्ञा देते हैं, वे सभी यहां हैं। हम बात कर रहे हैं न्यूजीलैंड के क्वींसटाउन शहर की। कहा जाता है कि उन्नीसवीं सदी के मध्य में जब क्वींसटाउन में शॉटओवर नदी में सोना मिलने की खबर फैली तो लोग यहां उमड़ने शुरू हो गए थे। आखिरकार जब सोना खत्म हो गया तो यहां पहुंचे लोगों का ध्यान यहां के पहाड़ों और नदियों की खूबसूरती पर गया और तब उन्होंने यही बसने का फैसला कर लिया। रोमांच में यहां शुरुआत पिछली सदी के मध्य में स्कीइंग से हुई।

1970 के दौरान जेट बोटिंग की शुरुआत हुई। यह एक तरह से विशुद्ध रूप से रोमांच की दुनिया को क्वींसटाउन की देन थी। शॉटओवर नदी की गहरी कंदराओं में से जेटबोट की राइड का रोमांच ही अलग है। कुछ ही समय बाद रिवर राफ्टिंग भी क्वींसटाउन की नदियों में शुरू हो गई। 1988 में ऐ जे हैकट ने यहां बंजी जंपिंग की शुरुआत की। क्वींसटाउन को बंजी जंपिंग का जनक माना जाता है। आज यहां बंजी जंपिंग की कई साइट हैं। एक समय तो हैकट एंड कंपनी 450 मीटर की ऊंचाई से हेलीकॉप्टर से बंजी जंपिंग करा रहे थे। हालांकि सरकारी नीतियां बदलने से बाद में उसे रोकना पड़ा।

क्वींसटाउन ही टेंडम पैरापेंटिंग व कमर्शियल स्काइडाइविंग का भी मुख्य अड्डा है। इसके अलावा यहां टेंडम हैंग ग्लाइडिंग, पैरासेलिंग व एब्सेलिंग जैसी गतिविधियां भी होती हैं। सैलानी क्वींसटाउन केवल एडवेंचर के लिए जाते हैं, जबकि वहां की प्राकृतिक खूबसूरती भी किसी जगह से कम नहीं।

कैसे जाएं: न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप के दक्षिण-पश्चिमी कोने में स्थित क्वींसटाउन में हालांकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, लेकिन यहां की सारी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आस्ट्रेलिया के विभिन्न शहरों से होकर हैं।

खतलिंग

ग्लेशियर का नजारा

उत्तराखंड में एक वक्त 7,941 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बर्फ से ढका रहता था, जो यहाँ के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 15 प्रतिशत क्षेत्र है। यमुना, गंगा और काली नदी समेत उनकी कई सहस्रधाराएँ इसी क्षेत्र में जन्म लेती हैं, लेकिन यह क्षेत्र लगातार सिमट रहा है। यहाँ के तमाम ग्लेशियर पिघल रहे हैं।

चार धामों की यात्रा के अलावा साहसिक पर्यटन के प्रेमियों में खतलिंग ग्लेशियर के दर्शन को पाँचवाँ धाम दर्शन माना जाता है। यहीं से केदारनाथ तक पैदल यात्रा क्षेत्र भी है। पिछले हफ्ते इसी यात्रा मार्ग पर ट्रैकिंग के लिए कुछ पर्यटकों का दल भारी बर्फबारी में फँसने से राज्य में हड़कंप मच चुका है। बमुश्किल इस यात्री दल के तीन पर्यटकों को हेलिकॉप्टरों से निकाला गया तो छः अन्य लोगों को दो दिन बाद त्रियुगी नारायण क्षेत्र में आईटीबीपी एवं पुलिस की गठित टीमों ने पैदल रास्ते से जाकर ढूँढ निकाला।

यही है कस्तूरी मृगों का क्षेत्र :

पाँचवें धाम खतलिंग को जाने वाले मार्ग पर फँसे इन पर्यटकों ने वन विभाग से यहाँ जाने की अनुमति नहीं ली थी। इस क्षेत्र में कस्तूरी मृग क्षेत्र होने से यहाँ जाने की पूर्वानुमति आवश्यक है। 3,700 मीटर की ऊँचाई पर खतलिंग ग्लेशियर पहुँचने के रास्ते में चौकी बुग्याल रुद्रागंगा, हिमानी गुफा, दुमलिया ताल भी दर्शनीय हैं। यहाँ से सात किलोमीटर की दूरी तय कर गंगोत्री पहुँचा जा सकता है। यहाँ से साढ़े छः हजार मीटर की ऊँचाई पर स्थित सतलिंग तेज चमकता है।

स्फटिक लिंग जो ग्रेनाइट धातु से बना है, पर बर्फ नहीं टिकती और भगवान शिव का आत्मलिंग का खिताब इसे प्राप्त है । 6,460 मीटर जोगिन चोटी, मयाली टॉप के रास्ते वासुकीताल होते हुए 14 किलोमीटर दूरी तय कर केदारनाथ धाम पहुँचना संभव है । मयाली टॉप की चोटी से तिब्बत का इलाका दिखाई देता है।

पिघल रहे ग्लेशियर :

हिमालय में तैंतीस हजार वर्ग किलोमीटर में ग्लेशियर फैले हैं जो पूरे हिमालय क्षेत्र के 17 प्रतिशत रहे हैं। गोमुख, मिलम, पिंडारी, खतलिंग व नामिक जैसे उत्तराखंड के हजारों ग्लेशियर पानी की मीनारों का काम करते हैं। हजारों साल पहले गौमुख ग्लेशियर गंगोत्री से मिलता था, लेकिन आज गंगोत्री व गोमुख के बीच की दूरी 19 किलोमीटर है।

पिछले दो सौ वर्षों में गंगोत्री व गोमुख के बीच की दूरी ही नहीं बढ़ी। ग्लेशियर का स्नाउट भी खिसकता जा रहा है। मिलम ग्लेशियर 1828 में मिलम गाँव से दो किलोमीटर पर बताया गया जो अब छः किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर है। खतलिंग ग्लेशियर का मुख जो चौकी ताल पर था, अब सात किलोमीटर दूर है। पिंडारी ग्लेशियर भी काफी पीछे चला गया।

बढ़ते लोग, बढ़ता ताप :

सन 1808 तक गंगोत्री क्षेत्र में गंगा की मूर्ति के पूजन की परंपरा थी, लेकिन यहाँ दस-पंद्रह लोग ही रहते थे। गंगा की मूर्ति के साथ ये लोग भी अपने गाँवों में वापस चले जाते थे। 1981 की जनगणना में गंगोत्री की स्थाई आबादी लगभग 125 के आसपास थी जो आज हजारों तक पहुँच चुकी है। साधु-संन्यासी ही काफी पहले पहुँचे थे। चार धामों में से बद्रीनाथ में ही यह संख्या श्रद्धालुओं के हिसाब से लाख तक पहुँचती थी। अब यहाँ एक हफ्ते में लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं।

पूर्ण कुंभकाल के वक्त ही बद्रीनाथ से ज्यादा श्रद्धालु आते थे। 1808 के पूर्ण कुंभ में 45 हजार श्रद्धालु बद्रीनाथ पहुँचे थे, जबकि 2010 के पूर्ण कुंभ के बाद दो दिन में यह संख्या पार कर ली गई। 1808 में केदारनाथ की यात्रा विषम थी। उस साल केदारनाथ गए कई यात्री मारे भी गए थे। अब तमाम साधन, बढ़ते गाड़ियों व रेल नेटवर्क बढ़ने से तीर्थयात्रियों की संख्या में असाधारण वृद्धि हुई है। इसी तरह इस क्षेत्र के ग्लेशियरों में भी ट्रैक कर जाने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

प्रकृति छेड़छाड़ ने पैदा किया संकट :

इसी तीर्थ क्षेत्र के आसपास बुग्यालों, ग्लेशियरों एवं तमाम खूबसूरत घाटियों व नदियों पर जलविद्युत परियोजनाओं के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ से भी यहाँ के माहौल में बदलाव आया है। स्वयं चिपको नेता चंडीप्रसाद भट्ट ने भी इस तरह की गतिविधियों को विश्व धरोहर पार्कों के आसपास हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर भ्यूंडार घाटी जल विद्युत परियोजना समेत तमाम क्षेत्रों की परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के विरुद्ध बताया है।

इस बाबत उन्होंने केंद्र को पत्र भी भेजकर इस संवेदनशील क्षेत्र में इस गतिविधि को लगाम लगाने की माँग की है। विश्व धरोहर फूलों की घाटी से सात किलोमीटर की दूरी पर भ्यूंडार घाटी जल विद्युत परियोजना भी इस सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरुद्ध जारी है। इस आदेश के अनुसार विश्व धरोहर से 10 किलोमीटर की परिधि में इस तरह की परियोजनाएँ प्रतिबंधित हैं। तथापि यहाँ इस तरह की परियोजनाओं का बेरोकटोक निर्माण इस क्षेत्र में प्रकृति प्रेमियों के रोष का कारण बन रहा है।

कला-शिल्प का अद्भुत संगम

खजुराहो

खजुराहो के मंदिर भारतीय कला का एक उत्कृष्ट नमूना है। इन मंदिरों की दीवारों पर उकरी देवी-देवताओं की विभिन्न मुद्राओं की मनोहारी प्रतिमा अपने आप में दुलर्भ है, जिसके समान कोई ओर नहीं है। मध्यप्रदेश में स्थित खजुराहो पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

हर साल लाखों की संख्या में देशी व विदेशी पर्यटक खजुराहों आते हैं व यहाँ की खूबसूरती को अपनी स्मृति में कैद करके ले जाते हैं। यहाँ शाम के वक्त होने वाले लाइट शो में खजुराहो के मंदिरों की खूबसूरती का चरम देखने को मिलता है, जो एक यादगार व अविस्मरणीय अनुभव होता है।

भारतीय कला व संस्कृति के संगम स्थल खजुराहों के आसपास भी कई ऐसे स्थान है, जो आपकी खजुराहो यात्रा को पूर्णता प्रदान करते हैं। इनमें खजुराहो से 25 किमी दूर स्थित राजगढ़ पैलेस (हैरिटेज होटल), रंगून झील (पिकनिक स्पॉट), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान आदि स्थल है। खजुराहो को प्यार का प्रतीक भी कहा जाता है। यहाँ काम मुद्रा में मग्न देवताओं की भी मूर्तियाँ है, जो अश्लीलता नहीं बल्कि सौंदर्य और प्यार की प्रतीक हैं। प्यार के साक्षी इन्हीं मंदिरों में प्रतिवर्ष कई जोड़े परिणय सूत्र में बँधकर अपने दांपत्य जीवन की शुरुआत करते हैं।

खजुराहो एक पर्यटक स्थल होने के साथ-साथ मंदिरों के गाँव के रूप में भी विख्यात है। यहाँ के मंदिर लगभग 1000 सालों से भी अधिक पुराने हैं, जिन्हें मध्यभारत के चंदेल राजपूत राजाओं ने बनवाया था।

वर्तमान में प्राचीन 85 मंदिरों में से मात्र 22 मंदिर ही सुरक्षित बचे हैं। शेष मंदिर आज खंडहर के रूप में तब्दील होकर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिर पूर्वी, पश्चिमी व दक्षिणी आदि तीन भागों में विभाजित हैं।

पश्चिमी भाग के मंदिर :- खजुराहो में पश्चिमी भाग के मंदिरों में प्रमुख मंदिर कंडरिया महादेव मंदिर, चौंसठ योगिनी मंदिर (ग्रेनाइट से बना सुंदर मंदिर), काली माँ का मंदिर, देवी जगदंबा मंदिर आदि प्रमुख हैं। इन मंदिरों के उत्तर में चित्रगुप्त मंदिर (सूर्य देवता का मंदिर), विश्वनाथन मंदिर (तीन मुखी ब्रह्मा की प्रतिमा तथा 6 फीट ऊँची नंदी प्रतिमा), मटंगेश्वर मंदिर (8 फीट ऊँचा शिवलिंग) आदि स्थित है।

मंदिरों में स्थित प्रतिमाओं की जर्जर स्थिति को देखते हुए इनमें से कई मंदिरों में पूजा करना प्रतिबंधित है। इनमें से केवल ममटंगेश्वर मंदिर में ही अब तक पूजा करना जारी है।

पूर्वी भाग के मंदिर :

इस भाग में हिंदू व जैन दोनों के देवी-देवताओं की दुर्लभ प्रतिमाएँ स्थित हैं। मंदिरों का यह भाग खजुराहो गाँव के समीप स्थित है। पूर्वी भाग का सबसे बड़ा मंदिर जैन तीर्थंकर 'भगवान पार्श्वनाथ जी का मंदिर' है। इसके बाद दूसरा जैन मंदिर 'घाटी मंदिर' है। इस मंदिर के उत्तर में 'आदिनाथ मंदिर' हैं। मंदिरों के इस समूह में ब्रह्मा, वामन आदि हिंदू देवताओं के मंदिर भी शोभायमान है।

दक्षिणी भाग के मंदिर :

मंदिरों का यह समूह खजुराहो गाँव से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इनमें सबसे अच्छा मंदिर 'चित्रभुज मंदिर' है। इस भाग के मंदिरों से कुछ दूरी पर सड़क के उस पार जैन मंदिरों का एक समूह है, जिनमें कई जैन तीर्थंकरों के सुंदर व आकर्षक मंदिर है।

खजुराहो के आसपास: भारतीय कला व संस्कृति के संगम स्थल खजुराहों के आसपास भी कई ऐसे स्थान है, जो आपकी खजुराहो यात्रा को पूर्णता प्रदान करते हैं। इनमें खजुराहो से 25 किमी दूर स्थित राजगढ़ पैलेस (हैरिटेज होटल), रंगून झील (पिकनिक स्पॉट), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (34 किमी दूर) आदि रमणीय स्थल हैं।

भारत की इस विरासत को देखना मात्र ही अपने आप में भारतीय कला से रूबरू होना है, जो अपने आप में अनूठी है, प्राचीन है व गौरवशाली है। आप भी मंदिरों के इस गाँव की सुंदरता को निहारने एक बार अवश्य खजुराहों जाएँ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

साइबर सेल कठुआ ने अब तक एक करोड़ रुपये से अधिक धोखाधड़ी की गई राशि सफलतापूर्वक वसूली

कठुआ, 10 नवंबर (हि.स.)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में जिला साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ ने सितंबर और अक्टूबर 2025 के महीनों में कई शिकायतों में 12,47,262 की धोखाधड़ी की गई राशि की वसूली करके साइबर अपराध से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

ऑनलाइन, ऑफलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों से निपटने के लिए समर्पित इकाई साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ जो आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्यरत है ने एक बार फिर कई साइबर अपराध शिकायतों में धोखेबाजों से 12,47,262 की राशि सफलतापूर्वक वसूल की है जो ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश के संबंध में विभिन्न हथकंडे अपनाकर लोगों को धोखा देते थे और पीड़ितों से पैसे ऐंठते थे। कुछ शिकायतों में पीड़ित को टेलीग्राम ग्रुप और अन्य प्लेटफॉर्म (फेसबुक, व्हाट्सएप आदि) के माध्यम से पैसा निवेश करने के लिए कहा गया था। इस संबंध में शिकायतकर्ताओं ने साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ से संपर्क किया और धोखाधड़ी की शिकायत की।

मामले का संज्ञान लेते हुए साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ ने बिना देर किए जाँच शुरू कर दी और अपने समर्पित कुशल मानव संसाधन के माध्यम से सर्वोच्च पेशेवर उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए तुरंत कार्रवाई की और कुछ ही समय में धोखेबाजों से 12,47,262 रुपये की खोई हुई राशि वापस पा ली। गौरतलब है कि स्थापना की तिथि से अब तक साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ ने एक करोड़ अठारह लाख अस्सी हजार पांच सौ पचास रुपये की धोखाधड़ी की गई राशि सफलतापूर्वक वसूल की है। जिला पुलिस कठुआ एक बार फिर आम जनता से अतिरिक्त सतर्क रहने और साइबर सेल कठुआ या राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की अपील करती है।

डोडा पुलिस ने लापता महिला का पता लगा कर परिवार से मिलवाया

जम्मू, 10 नवंबर, हि.स.। डोडा पुलिस ने एक लापता महिला शहनाज़ा बेगम पत्नी दिवार निवासी गंडोह तहसील चिल्ली पिंगल जिला डोडा, का सफलतापूर्वक पता लगा लिया है जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट 25.10.2025 को गंडोह पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले पुलिस स्टेशन चांगा में दर्ज की गई थी।

एसएसपी डोडा संदीप मेहता जेकेपीएस के निर्देश पर लापता महिला का पता लगाने के लिए पुलिस स्टेशन गंडोह में एक विशेष टीम का गठन किया गया जिसका नेतृत्व पुलिस अधीक्षक (आईपीसी) चांगा ने एसडीपीओ गंडोह और एसएचओ पीएस गंडोह की देखरेख में किया। पुलिस टीम ने सभी संभव साधनों और तकनीकी सहायता का उपयोग करके महत्वपूर्ण सुराग जुटाए और निरंतर और समन्वित प्रयासों के बाद महिला को सुरक्षित रूप से ढूंढने में सफल रही।

सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद महिला को उसके पति से मिलवाया गया। तदनुसार गुमशुदगी की रिपोर्ट बंद कर दी गई है। आम जनता ने लापता महिला का पता लगाने और उसे उसके परिवार से सुरक्षित मिलाने में डोडा पुलिस के त्वरित और समर्पित प्रयासों की सराहना की है।

साहिल महाजन ने भक्ति एल्बम बावे वाली माँ जारी की

जम्मू, 10 नवंबर (हि.स.)। माँ बावे वाली रिकॉर्ड्स ने गांधी नगर जम्मू में भक्ति एल्बम बावे वाली माँ जारी किया। मां बावे वाली रिकॉर्ड्स (एमडी) साहिल महाजन ने यूनिक आउटसोर्सिंग, यूनिक वॉयस रजत शर्मा, किरण कुमार और सुनील राणा के साथ मिलकर एल्बम जारी किया।

बावे वाली मां गाने को गायक अरुण शर्मा ने गाया है और इसे जैज़ ने कंपोज किया है। वीडियो को अवतार दीपक स्पेशल के तहत केके मल्होत्रा लिरिक्स द्वारा तैयार किया गया। एल्बम को यूट्यूब अरुण शर्मा म्यूजिक चैनल पर एक साथ जारी किया गया है।

साहिल महाजन ने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए मां बावे वाली रिकॉर्ड्स (एमडी) जेएंडके की सराहना की।

जीडीसी हीरानगर में पॉश अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 10 नवंबर (हि.स.)। गिरधारी लाल डोगरा मेमोरियल कॉलेज हीरानगर की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना के मार्गदर्शन में यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम 2013 पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया ताकि छात्रों और कर्मचारियों को एक सुरक्षित, सम्मानजनक और लैंगिक-समान कार्यस्थल और शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के प्रति जागरूक किया जा सके।

उन्होंने जानकारीपूर्ण और जागरूकता-आधारित व्याख्यान दिए, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि जागरूकता रोकथाम और सशक्तिकरण की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्यस्थल और परिसर को भेदभाव और उत्पीड़न से मुक्त बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। मुख्य भाषण डॉ. अनुपमा अरोड़ा ने दिया, जिन्होंने पॉश अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिसमें आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की भूमिका, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया और रोकथाम एवं निवारण के उपाय शामिल थे। उनके व्याख्यान ने छात्रों और कर्मचारियों को सम्मान और सुरक्षा की संस्कृति के निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

बिरसा मुंडा के आदर्श आदिवासी कल्याण मिशन को प्रेरित करते रहेंगे : अशोक कौल

जम्मू, 10 नवंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा, जम्मू और कश्मीर ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में और एक महान आदिवासी नायक और स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उनके अपार योगदान को उजागर करने के लिए जिन्होंने आदिवासी सम्मान, अधिकारों और पहचान के लिए संघर्ष किया गुज्जर देश चैरिटेबल ट्रस्ट, जम्मू में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। जम्मू और कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की जिसे पूर्व अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष हारून चौधरी, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष चौधरी अब्दुल गनी, वरिष्ठ पार्टी नेताओं और जम्मू भर से बड़ी संख्या में आदिवासी प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने भी संबोधित किया। बिरसा मुंडा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अशोक कौल ने उन्हें आदिवासी गौरव, एकता और अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शोषण और सामाजिक उत्पीड़न के खिलाफ बिरसा मुंडा का संघर्ष आज भी आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण के आंदोलन को प्रेरित करता है।

डोगरी कहानी के नए रुझानों पर ज्योड़ियाँ कॉलेज में साहित्य अकादमी का एकदिवसीय परिसंवाद आयोजित

जम्मू, 10 नवंबर (हि.स.)। साहित्य अकादमी नई दिल्ली और गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज ज्योड़ियाँ के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को ‘डोगरी कहानी (1980-2020) में नए रुझान और कथा-वस्तु’ विषय पर एकदिवसीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डोगरी भाषा के समकालीन कथा साहित्य में आए बदलावों और विषयगत विविधताओं पर विमर्श करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कॉलेज की प्रिंसिपल अनुराधा पंडोह रहीं, जबकि अध्यक्षता प्रख्यात डोगरी साहित्यकार कृष्णा प्रेम ने की। शिवदेव सुशील ने अपने कुंजी भाषण में डोगरी कथा साहित्य की दिशा और प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए स्थानीय जीवन, संस्कृति और सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त करने में इस भाषा की भूमिका को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा की

पुलवामा, 10 नवंबर (हि.स.)। उपायुक्त पुलवामा डॉ. बशारत कयूम ने आज जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति का आकलन करने के लिए जिला प्रशासनिक परिसर में एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

आरजीवीजीएस ने चौधरी अली मोहम्मद चेची को फिर सौंपी जम्मू-कश्मीर प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी

जम्मू, 10 नवम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं राष्ट्रीय गौरक्षावाहिनी गौसेवा संघ के मुख्य संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव सिंह सांगेर और राष्ट्रीय सचिव एवं जम्मू-कश्मीर प्रभारी इक़बाल त्यागी के साथ विचार-विमर्श के बाद चौधरी अली मोहम्मद चेची को एक बार फिर जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश का प्रदेशाध्यक्ष नामित किया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चेची के पुनर्नियुक्ति का निर्णय उनके संगठन के प्रति समर्पण, निष्ठा और उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए लिया गया। डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि चेची के नेतृत्व में संगठन की गतिविधियां प्रदेश में और अधिक सशक्त होंगी तथा संगठन का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। उन्होंने कहा, चौधरी चेची का अनुभव और संगठन के उद्देश्यों के प्रति उनकी गहरी निष्ठा आरजीवीजीएस के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और समर्पण का संचार करेगी। इस अवसर पर आरजीवीजीएस के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने चौधरी अली मोहम्मद चेची का स्वागत करते हुए उन्हें पूर्ण सहयोग और समर्थन का भरोसा दिया।

Advertisement for the Post of Field Worker

Applications on plain paper indicating name, father's name, permanent address, address for correspondence, mobile number, date of birth, qualification starting from 10th & research or any other experience are invited from candidates for the position as detailed below in the adhoc research project entitled "**Technological convergence for cultivation and chemical standards for quality control of Heeng (*Ferula assa-foetida*) in India**".

S. No.	Post	Emoluments (Per Month)	Qualification		Area of experimentation
			Essential	Desirable	
1.	Field Worker	Rs. 18000/- + HRA	Bachelor's degree	•Masters in Forestry • Research experience in the field of Medicinal plants •Knowledge of computer	Paddar, Kishtwar and adjoining temperate areas

The application should reach the office of the Principal Investigator, Division of Forest Products & Utilization, Faculty of Horticulture & Forestry, Chatha. 180 009 (J&K) along with self attested copies of the certificates on or before 17-11-25. The position is purely temporary to be filled on contractual basis initially for the period of 06 months, further extension shall be granted on the basis of performance of the appointee. The engagement stands terminated on the completion of the project/scheme with no claim on the permanent absorption in this University. The eligible candidates will be interviewed on 18-11-25 at Directorate of Research, Administrative Block, Chatha, Jammu at 10.30 a.m. No separate intimation shall be issued & no TA/DA shall be paid for attending interview. *If the date of interview happens to be a holiday, the interview shall be held on the next working day.*

No.: AU/FPU/F-57B/25-26/176-78
Dated: 31-10-2025

(Dr. L. M. Gupta)
Principal Investigator

SEBI
भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

Recruitment of Officer Grade A (Assistant Manager) 2025 -
General Stream, Legal Stream, Information Technology Stream, Research Stream, Official Language Stream, Engineering (Electrical) Stream and Engineering (Civil) Stream

Securities and Exchange Board of India (SEBI), is a statutory body established by an Act of Parliament, to protect the interests of investors in securities, to promote the development of and to regulate the securities market.

IMPORTANT DATES TO REMEMBER

Activity	Important Dates (SEBI reserves the right to make any change in these dates)
On-Line Application and Payment of fee On-Line	October 30, 2025 – November 28, 2025
Availability of Call Letters on SEBI website (for On-Line Examinations)	Will be intimated by email/SMS
Phase I On-Line Examination	January 10, 2026
Phase II On-Line Examination	February 21, 2026
Phase III Interview	Dates will be intimated

Applicants desirous of securing job at SEBI are hereby cautioned not to fall prey to any unscrupulous elements who may try to deceive candidates/public by false promises of securing jobs in SEBI. In case any candidate comes across such offer/ practice, the same may be immediately brought to the notice of SEBI at recruitment@sebi.gov.in, with full details, such as name and contact details, of the elements indulging in such practice.

SEBI invites applications from Indian citizens for the post of Officer Grade A (Assistant Manager) for the General Stream, Legal Stream, Information Technology Stream, Research Stream, Official Language Stream, Engineering (Electrical) Stream and Engineering (Civil) Stream. SEBI reserves the right to fill up the posts or not to fill up the posts at all.

Stream	Number of posts						Out of which PwBD****	Educational Qualification and Experience
	UR	OBC@	SC	ST	EWS $	Total		
General	23	14	10	4	5	**56**	1 (B & LV) 1 (Autism/ID/etc.) 1 (Autism/ID/etc.)**	Master's Degree/ Post Graduate Diploma* (minimum two years' duration) in any discipline/ Bachelor's Degree in Law/ Bachelor's Degree in Engineering from a recognized University/ Institute or Chartered Accountant/ Chartered Financial Analyst/ Company Secretary/ Cost Accountant. *(Equivalent to a Master's Degree in that discipline as recognized by the Association of Indian Universities).

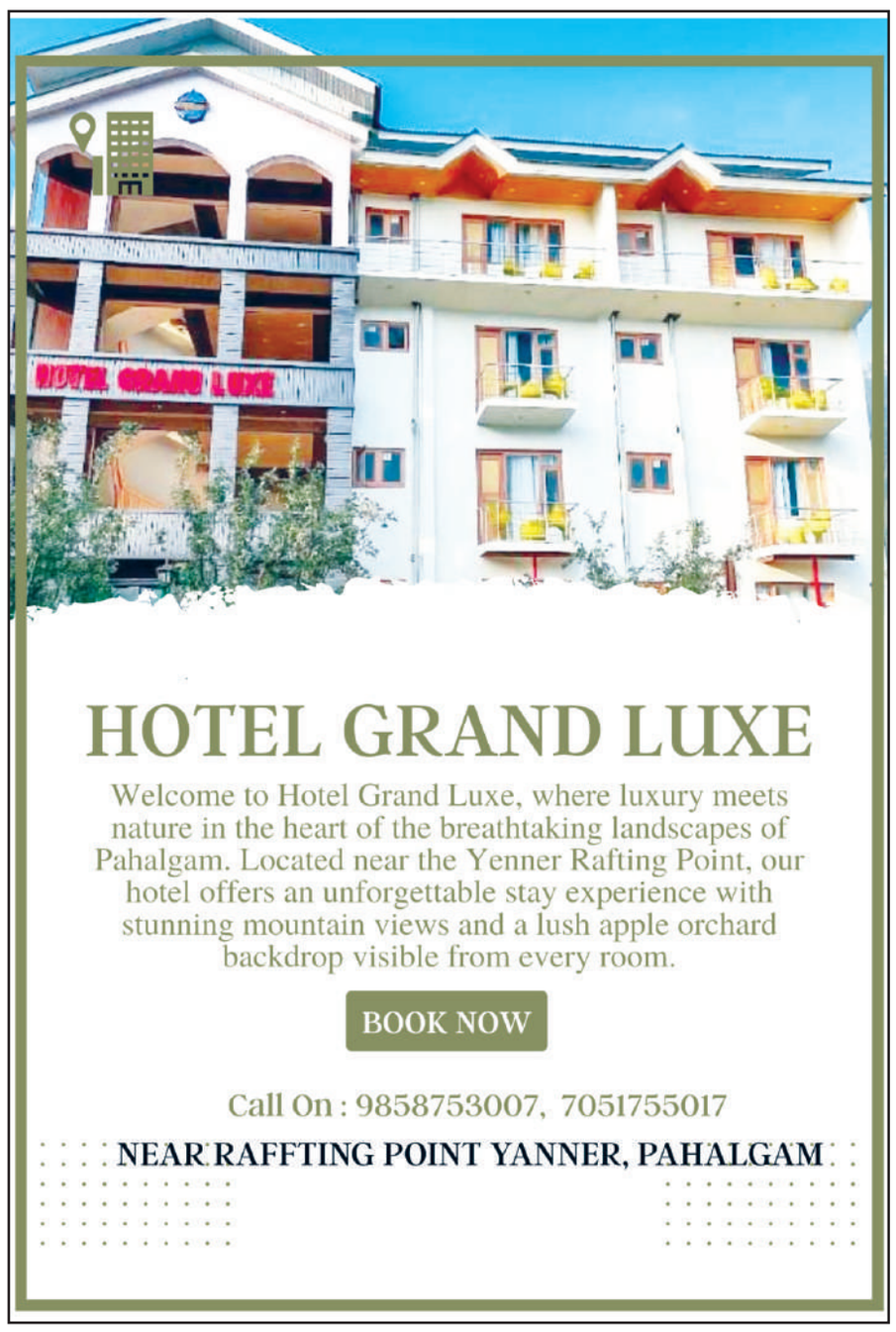

मेंढर के ताइन मकोटे में एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक अग्निवीर घायल

जम्मू, 10 नवंबर (हि.स.)। पुंछ ज़िले के मेंढर के ताइन मकोटे इलाके में सोमवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक अग्निवीर घायल हो गया।

अधिकारियों ने कहा कि अग्निवीर गलती से बारूदी सुरंग के ऊपर से चला गया जिससे विस्फोट हो गया और वह घायल हो गया। उसे तुरंत इलाज के लिए उधमपुर बेस अस्पताल ले जाया गया। घायल अग्निवीर की पहचान सुखविंदर सिंह के रूप में हुई है।

ईपीएफओ जम्मू ने आयोजित किया प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर जागरूकता सत्र

जम्मू, 10 नवंबर (हि.स.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जम्मू की ओर से एमक्योर फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, बाडी ब्राह्मणा (सांबा) में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) पर एक सफल जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करना, कार्यबल को औपचारिक क्षेत्र में लाना और पहली बार कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा लाभों से जोड़ना था। प्रवर्तन अधिकारी देविंदर सिंह और बाल कृष्ण के नेतृत्व में आयोजित इस सत्र में योजना की उद्देश्यों, लाभों और प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अन्य औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। अधिकारियों ने बताया कि पीएमवीबीआरवाई से देशभर में करीब 1.92 करोड़ पहली बार कर्मचारियों को लाभ मिलेगा और इस योजना के तहत 3.5 करोड़ से अधिक नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।कार्यक्रम में नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों के लिए योजना के लाभों, पंजीकरण प्रक्रिया और अनुपालन ढाँचे पर विशेष चर्चा हुई। इस अवसर पर ईपीएफओ जम्मू ने बताया कि अब तक 230 से अधिक औद्योगिक प्रतिष्ठान इस योजना के तहत पंजीकृत हो चुके हैं। ईपीएफओ जम्मू ने कहा कि वह आने वाले समय में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक उद्योगों को पीएमवीबीआरवाई से जोड़ने का प्रयास जारी रखेगा।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI MECH. G.W.D. DIVISION JAMMU
SHORT TERM NOTICE INVITING e-TENDER
E -NIT NO GWD/158 OF 2025-26 DATED 01.11.2025

On behalf of the Lt. Governor, UT of J&K, the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu invites tenders by e-tendering mode from reputed and registered firms with Jal Shakti PHE/I&FC Deptt. J&K Govt. who have sufficient experience in the field of drilling and are well equipped with drilling Rigs suitable for ODEX method of drilling.

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee (In Rs)	Qty.	Estimated cost (value of work) (in Rs.)	Earnest Money (In Rs)	Validity of Rates
Deep Drilling of 125 mm dia Bore Hole by using ODEX method including providing, installation, testing, commissioning of Mark-II Hand Pump alongwith submersible pump set at W. No. 3 Upper Kallar Kattal NHO Nazir Mohd District Poonch on Turnkey Basis (EPC) under District Capex Budget (2025-26)	Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu	500.00 (Non-Refundable) Deposited in Govt. treasury through e-challan under the receipt head 0215 in favour of the Executive Engineer, Jal Shakti Mech. GWD Div. Jammu payable at Jammu mentioning name of work	01 No.	Rs. 5.20 lacs	@2% of the estimated value in shape of Fresh CDR/FDR pledged to Executive Engineer PHE (M) GWD Division	31st March 2026

1. The complete bidding process shall be online.
2. Bid documents can be seen and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 01.11.2025 to 10.11.2025.
3. The pre bid meeting if desired by the participating firms shall be held in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 03.11.2025 (1300 hrs).
4. The bids shall be submitted/uploaded from the website http://jktenders.gov.in from 04.11.2025 (1400 hrs) to 10.11.2025 (1800 hrs).

GWD/5260-62 DATED: 01.11.2025

DIP/J-7788/25
Dtd: 10-11-2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti Mech. G.W.D. Division
Jammu

संपादकीय

सिम कार्ड का दुरुपयोग रोकें

यह वाकई अच्छी बात है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कश्मीर घाटी में सिम कार्ड के दुरुपयोग को लेकर विक्रेताओं के खिलाफ निरीक्षण अभियान का दायरा बढ़ा दिया है और उनसे अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) दिशानिर्देशों और दूरसंचार नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने श्रीनगर और बडगाम ज़िलों में सिम कार्ड विक्रेताओं के खिलाफ एक व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू किया है ताकि किसी भी आपराधिक, धोखाधड़ी या आतंकवाद संबंधी गतिविधियों के लिए सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोका जा सके और अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) दिशानिर्देशों और दूरसंचार नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा सके। श्रीनगर ज़िले के सभी पाँच ज़ोनों की पुलिस टीमों - खानयार, लाल बाज़ार, सदर, निशात, आरएम बाग, सौरा, परिमपोरा, सफाकदल, करण नगर, बटमालू, मैसूमा, क्रालखुद, कोठीबाग, ज़कूरा, अहमद नगर, शहीदगंज, संगम, सौरा और नूरबाग व बगियास पुलिस चौकियों, खिम्बर को कवर करते हुए, अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में काम कर रहे सिम विक्रेताओं का गहन निरीक्षण किया। 50 से अधिक सिम विक्रेताओं की जाँच की गई, जिसमें पहचान प्रमाणों के सत्यापन, रिकॉर्ड रखरखाव और यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया कि सिम केवल वैध दस्तावेजों वाले वास्तविक ग्राहकों को ही जारी किए जाएं। जम्मू-कश्मीर में महत्वपूर्ण सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए इस तरह के अभियान बहुत महत्व रखते हैं। यह प्रशंसनीय है कि जमीनी स्थिति का आकलन करने के बाद जेकेपी ने उपरोक्त जिलों में यह प्रक्रिया शुरू की है लेकिन पाकिस्तान स्थित आतंकी मॉड्यूल के नापाक मंसूबों और घुसपैठ के खतरे को देखते हुए, यह आवश्यक है कि जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों को इस तरह की स्कैनिंग प्रक्रिया के तहत लाया जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत और भारतीयों के हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए एक भी सिम कार्ड का दुरुपयोग न किया जा सके। मोबाइल कनेक्शन को जिम्मेदारी से जारी करना महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। केवाईसी मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के अलावा सभी जारी किए गए सिम कार्डों का सटीक रिकॉर्ड रखना भी महत्वपूर्ण है। सिम कार्ड के दुरुपयोग से जुड़े जोखिम की गंभीरता को देखते हुए, खाकी वर्दीधारी पुलिसकर्मियों को हर लापरवाही के लिए जुर्माना लगाने, लाइसेंस रद्द करने और कानूनी कार्रवाई करने में संकोच नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसे मामलों में कोई भी ढिलाई देश के लिए, खासकर पाकिस्तान सीमा से सटे इलाकों में, नुकसानदेह साबित हो सकती है, जहाँ सीमा पार रहने वाले लोगों से संबंध बनाकर राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा दुस्साहस करने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। पुलिस ने जनता से इन निरीक्षणों के दौरान सहयोग करने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है कि उनके नाम पर पंजीकृत सिम कार्ड का दुरुपयोग न हो। इसलिए, यह ज़रूरी है कि लोग किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सिम कार्ड के अनियमित जारी होने की सूचना नज़दीकी पुलिस स्टेशन को दें, क्योंकि सतर्क और जागरूक रहना सभी का कर्तव्य है।

रचनात्मकता की मिसाल है लायब्रेरी

इस पूरी पहल से बच्चे एक-दूसरे से सीख रहे हैं, किताबों की दुनिया से परिचित हो रहे हैं, चित्र बनाना सीख रहे हैं, उनमें रंग भर रहे हैं, पढ़ना-लिखना सीख रहे हैं, बच्चों में पढ़ने के प्रति रूचि बढ़ी है और लायब्रेरी के रूप में ऐसा स्थान उपलब्ध हुआ है जहां वे एक साथ बैठ सकते हैं, खेल सकते हैं, कुछ सृजन कर सकते हैं। कभी-कभी किताबों पर भी चर्चा कर सकते हैं। ऐसा स्थान लायब्रेरी के पहले उपलब्ध नहीं था।मध्यप्रदेश के हरदा शहर में एक सचल पुस्तकालय है, जो गरीब बस्तियों में चलता है। हालांकि यह बहुत छोटी पहल है, पर कई सालों से चल रही है। मैं इसे देखने के लिए दो-तीन बार गया हूं। आज इस लायब्रेरी की कहानी बताना चाहूंगा।किताबों से मेरा जुड़ाव लायब्रेरी के माध्यम से ही हुआ। हमारे गांव में स्थित स्वयंसेवी संस्था किशोर भारती में भी बहुत ही अच्छी लायब्रेरी थी। वहीं मैंने किताबों को उलटना-पलटना सीखा। वहीं किताबों की दुनिया से जुड़ा। इसके बाद इन्दौर नई दुनिया में जब मैंने काम शुरू किया, तो वहां भी समृद्ध लायब्रेरी थी।इसके बाद मैंने जब देशबन्धु रायपुर में काम शुरू किया, तब वहां भी बहुत अच्छी लायब्रेरी थी। पुस्तकालय एक ऐसी खिड़की है, जिसमें चारों तरफ से ताजी हवा आती है। देश-दुनिया से जुड़ते हैं। हमारी परिधि भी बड़ी होती जाती है।

एकलव्य संस्था ने भी पुस्तकालय को बढ़ावा दिया है। हमारे कस्बे पिपरिया में भी एकलव्य का एक पुस्तकालय है। एक समय तो इस पुस्तकालय में काफी भीड़ होती थी। इस पुस्तकालय में सिर्फ किताबें ही नहीं है, बल्कि यह एक गतिविधि केन्द्र है। बच्चे यहां आते हैं और अलग-अलग तरह की गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। विचार व साहित्यिक गोष्ठियां भी होती हैं।किताबों के बारे में कहा जाता है कि वे बहुत अच्छी दोस्त होती हैं। और एक ही किताब को दो लोग पढ़ते हैं, बातें करते हैं, तो उनमें भी दोस्ती हो जाती है। किताबों की दुनिया अलग होती है, वे हमें प्रेरणा देती हैं। अच्छा साहित्य हमें जीने की राह भी बताता है।

हरदा की लायब्रेरी का नाम है-चहक। लायब्रेरी के इस मिशन में एक छोटी सी टीम है। जिनमें दो शिक्षिकाएं शोभा वाजपेयी और सुनीता जैन। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत टाले और हरदा डाइट में पदस्थ व्याख्याता मनोज जैन। शोभा वाजपेयी, अब सेवानिवृत्त शिक्षिका हैं। शोभा वाजपेयी ने लायब्रेरी के इस काम में इंजन का काम किया। जब रेलगाड़ी में इंजन लग जाता है, तो डिब्बे जुड़ते जाते हैं। अब उनकी टीम में बस्तियों के महिलाएं और छात्राएं भी जुड़ गई हैं।वर्ष 2013 में चहक की शुरूआत हुई। किताबें एकत्र करना शुरू किया। कु छ एकलव्य संस्था से, कुछ दोस्तों से, कुछ अपने घर से किताबें एकत्र कीं और कुछ किताबें खरीदी भी। किताबों की पहचान के लिए उन पर लगाने के लिए %चहक' की सील बनवाई गई , बच्चों के बैठने के लिए दरी खरीदी गई। अब तक यह लायब्रेरी चार बस्तियों में फैल चुकी है।

शोभा वाजपेयी बताती हैं कि %बाइक पर किताबों का झोला लिए मैं निकलती तो उधर अपनी गाड़ी से हमारी मित्र मंडली इमलीपुरा पहुंचती। कभी दरी पर बैठ कर तो कभी आस-पास से कुर्सी मांग कर तो कभी खड़े-खड़े बाइक से सहारा लेकर ही हम लोग किताबें बांटते। खड़े रहने की स्थिति तब बनती जब उन घरों में कोई नहीं होता या कुछ खास कार्यक्रमों से गहमा-गहमी रहती।वे आगे बताती हैं कि %मैं और सुनीता बच्चों को व्यवस्थित कर किताबें बांटते, हेमन्त भाई उनके साथ कुछ खेलकूद या गपशप करते और जैन सर किताबों पर बातचीत, फोटो वगैरह लेने आदि में व्यस्त रहते। एक-दो बार चित्रकला का आयोजन हुआ तो उसके बाद बच्चे हमसे काग़ज़ ले जाते और चित्र बनाकर लाते, इन चित्रों को जमा करना भी साथियों का एक काम हो गया।'यहां सिर्फ स्कूल की तरह सब कुछ शब्दों से ही नहीं सिखाया जाता बल्कि चित्रकला, हाव-भाव के साथ कविता सुनाना, खेल-कूद करवाना और कहानी-कविता का नाट्य रूपांतरण आदि गतिविधियां भी होती हैं। यह लायब्रेरी के साथ गतिविधि केन्द्र भी है।

यह सही है कि बच्चों में किताबों को पढ़ने की रूचि उनकी स्कू ली किताबें पढ़ने तक सीमित हो गई है। किताबें समय मांगती हैं। लेकिन किताबों की दुनिया अलग है। जब बच्चे यहां रंग-बिरंगे चित्रों वाली किताबें पढ़ते हैं। कहानी और कविता पढ़ते हैं, उनके हाव-भाव देखते ही बनते हैं। दिल उछल जाता है। वे कहानी और कविताओं के माध्यम से एक अलग दुनिया की सैर करते दिखते हैं।

लेकिन डिजीटल व सोशल मीडिया एकतरफा है। इसकी सीमाएं हैं, कुछ देशों में इसे सीमित व नियंत्रित इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है, जिससे नई पीढ़ी पर इसका प्रतिकूल असर न हो।

इस छोटे कस्बे में जहां बस्तियों में सार्वजनिक स्थान नहीं है, वहां मिलने-जुलने और विचारों के आदान-प्रदान का मंच है। यहां बैठकर विभिन्न विषयों पर बात करते हैं। देश-दुनिया व ज्ञान-विज्ञान की दुनिया से रू ब रू होते हैं। वे अपने सवालों के जवाब खोजते हैं।इस पहल में एक नया आयाम तब जुड़ा तब एक और शिक्षिका ने इन बच्चों के लिए नए-नए कपड़े सिलकर देना शुरू कर दिया। और यह भी जन सहयोग से ही। अपने और आस-पास के घरों में जो नए कपड़े हैं और जो इस्तेमाल नहीं में आ रहे हैं, उन्हें एकत्र कर बच्चों के लिए खासकर लड़कियों के लिए कपड़े फ्रॉक, स्कर्ट, टॉप आदि बनवाना और बच्चों में बांटना। वे सालों से ऐसा कर रही हैं, लेकिन अब लायब्रेरी के बच्चों के लिए भी कपड़े सिलकर देती हैं।

आजकल का मकसद कैरियर बनाना हो गया है। बच्चे कैरियर के बारे में सोचते हैं लेकिन इस व्यवस्था में कैरियर बनाना मुश्किल है। बच्चों व युवाओं की सारी शक्ति इसमें ही लग जाती है। कैरियर के चक्कर कांशियस (चेतना) भी खत्म हो जाती है। कैरियर कुछ का बनता है। कई इस दौड़ से बाहर हो जाते हैं।

फिलट्रेट शिक्षा व्यवस्था सबको सब कुछ नहीं दे सकती है। इसमें कुछ का भाग्य चमक सकता है। हमें शिक्षा के सही मायने समझने होंगे। शिक्षा से दिमाग रोशन होता है। एक अच्छा इंसान बनता है। इस ओर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

कुल मिलाकर, इस पूरी पहल से बच्चे एक-दूसरे से सीख रहे हैं, किताबों की दुनिया से परिचित हो रहे हैं, चित्र बनाना सीख रहे हैं, उनमें रंग भर रहे हैं, पढ़ना-लिखना सीख रहे हैं, बच्चों में पढ़ने के प्रति रूचि बढ़ी है और लायब्रेरी के रूप में ऐसा स्थान उपलब्ध हुआ है जहां वे एक साथ बैठ सकते हैं, खेल सकते हैं, कुछ सृजन कर सकते हैं। कभी-कभी किताबों पर भी चर्चा कर सकते हैं। ऐसा स्थान लायब्रेरी के पहले उपलब्ध नहीं था। यही इस लायब्रेरी की उपयोगिता है। यह सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय पहल भी है।

जलवायु परिवर्तन का कहर

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ, जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी।

विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। वे विकास के तमाम संसाधनों का निर्मम दोहन करने के बाद अपनी गरीब आबादी को को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने में जुटे विकसित देशों पर जलवायु परिवर्तन से बचाव के उपायों को लागू करने के लिये लगातार दबाव बना रहे हैं। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार, मानवजनित पीएम-2.5 प्रदूषण भारत में 2022 के दौरान 17 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार था। इसमें कोयला और तरल गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों से होने वाले उत्सर्जन का 44 फीसदी योगदान था। इसके साथ ही सड़क परिवहन में पेट्रोल के उपयोग से पैदा प्रदूषण से करीब 2.69 लाख मौतें हुईं।

रिपोर्ट में दर्शाई गई सबसे बड़ी चिंता श्रम के घंटों के नुकसान और कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी नुकसान का होना है। यह संकट जहां बड़े विस्थापन को जन्म दे सकता है, वहीं हमारी खाद्य शृंखला संकटग्रस्त हो सकती है, जिसके लिए देश में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल फसलों की किस्मों की खोज जरूरी हो जाती है। यदि हम ऐसा कर पाते हैं तो फसलों पर जलवायु परिवर्तन प्रभावों को कम किया जा सकता है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने यह मुश्किल सबसे बड़ी है। वहीं भारत सरकार और किसानों के सामने यह वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती है।

सर्वोच्च न्यायालय में फिर से मंडरा रहा है बेंच हंटिंग का डर

मुख्य न्यायाधीश का आक्रोश एक आंतरिक दुविधा को भी दर्शाता है। वह है राजनीतिक टकराव की स्थिति में आए बिना संस्था को सूक्ष्म घुसपैठ से कैसे बचाया जाए। न्यायपालिका को सरकार के साथ खुले टकराव में उतरे बिना अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। लेकिन चुप्पी की भी कीमत चुकानी पड़ती है। जब पीठों को स्थानांतरित करने या उनका विस्तार करने के प्रयासों को चुनौती नहीं दी जाती।मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई द्वारा केंद्र सरकार को %बेंच हंटिंग% के प्रयास के लिए कड़ी फटकार लगाने से न्यायिक स्वतंत्रता और भारत के शीर्ष न्यायालय पर कार्यपालिका के प्रभाव को लेकर एक पुरानी और असहज बहस फिर से शुरू हो गई है। इसकी तात्कालिक वजह सरकार की वह मांग थी जिसमें उसने मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई के अंतिम चरण में पहुंच चुके एक मामले को पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ को स्थानांतरित करने की मांग की थी। समय और योजना के मद्देनजर यह कदम मुख्य न्यायाधीश को अपनी पीठ के फैसले से बचने की कोशिश के रूप में प्रतीत हुआ, जिसने उस प्रवृत्ति को और पुष्ट किया जो वर्षों से न्यायालय को परेशान करती रही है। वह है शक्तिशाली वादियों द्वारा न्यायपालिका को प्रभावित करने का प्रयास कि कौन से न्यायाधीश किस मामले की सुनवाई करेंगे।

बेंच हंटिंग, एक ऐसी प्रथा रही है जो जितनी सूक्ष्म है उतनी ही विनाशकारी भी। यह न्याय के इस मूल सिद्धांत को कमजोर करती है कि कानून को सत्ता के प्रति %अंधा% होना चाहिए। अपने सबसे निंदनीय रूप में, यह असुविधाजनक या स्वतंत्र विचारों वाली समझी जाने वाली बेंचों को दरकिनार करने और कार्रवाई को उन बेंचों की ओर मोड़ने का प्रयास करती है जो अधिक अनुकूल समझी जाती हैं। हालांकि अदालत के गलियारों में इस बारे में लंबे समय से चर्चा होती रही है, न्यायमूर्ति गवई की टिप्पणी ने इस मामले को फिर से खुलकर सामने ला दिया है। इस बार इसके पीछे मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय का ज़ोर है। उनके शब्द न केवल प्रक्रियात्मक पैंतरेबाज़ी से बल्कि एक बार-बार होने वाले पैटर्न से भी निराशा दर्शाते हैं जो न्यायपालिका की संस्थागत विश्वसनीयता पर संदेह पैदा करता है।इस आदान-प्रदान का संदर्भ महत्वपूर्ण है। विचाराधीन मामला न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम की संवैधानिक वैधता से संबंधित है, एक ऐसा कानून जिसकी अर्ध-न्यायिक निकायों में नियुक्तियों और सेवा शर्तों पर कार्यपालिका को व्यापक अधिकार देने के लिए आलोचना की जाती है। पीठ इस मामले की गहन जांच कर रही है, और याचिकाकर्ताओं द्वारा अपनी दलीलें पूरी करने के बाद सरकार के अनुरोध के समय ने लोगों को चौंका दिया। मुख्य न्यायाधीश को यह एक ऐसे नतीजे को पटरी से उतारने या विलंबित करने का प्रयास लगा जो शायद सरकार को पसंद न हो। इसलिए, उनकी प्रतिक्रिया न केवल न्यायिक स्वायत्तता का बचाव थी, बल्कि उन सीमाओं की भी याद दिलाती थी जो कार्यपालिका और न्यायपालिका को अलग करती हैं।

यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की चिंताएं सार्वजनिक हुई हैं। इस मुद्दे ने पहली बार जनवरी 2018 में राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया था जब सर्वोच्च न्यायालय के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों- न्यायमूर्ति जे. चेलमेश्वर, न्यायमूर्ति रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति मदन बी. लोकुर और न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ - ने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा द्वारा मामलों के मनमाने आवंटन का विरोध करने के लिए एक असाधारण प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उनकी शिकायत थी कि सरकार से जुड़े मामलों को चुनिंदा रूप से %पसंदीदा पीठों% को सौंपा जा रहा है। वह क्षण अभूतपूर्व था। इससे पहले कभी भी कार्यरत न्यायाधीशों ने सार्वजनिक रूप से अपनी ही संस्था के आंतरिक कामकाज की ईमानदारी पर सवाल नहीं उठाया था। इसने न्यायालय के भीतर गहरी दरारों को उजागर किया। उन्होंने एक संरचनात्मक समस्या को उजागर किया जो तब से चली आ रही है- वह अस्पष्ट तरीका जिससे मुख्य न्यायाधीश, %रोस्टर के मास्टर% के रूप में, पीठों को मामले सौंपते हैं।चेलमेश्वर प्रकरण से संरचनात्मक सुधार तो नहीं हुआ, लेकिन इसने एक स्थायी चेतावनी का निशान ज़रूर छोड़ा। उस समय व्यक्त की गई चिंताएं आज के माहौल में भी गूंजती हैं, बस फर्क इतना है कि अब आरोप बाहरी तौर पर, सरकार पर ही, प्रक्रियागत मांगों के ज़रिए न्यायिक प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करने के लिए निर्देशित हैं। मुख्य न्यायाधीश गवई की हताशा इस बढ़ती धारणा को दर्शाती है कि कार्यपालिका का हस्तक्षेप अधिक परिष्कृत हो गया है, जो प्रत्यक्ष दबाव पर कम और समय खरीदने, पीठों को बदलने, या न्यायिक परिदृश्य को बीच में ही बदलने के लिए डिज़ाइन की गई प्रक्रियात्मक युक्तियों पर अधिक निर्भर करता है।जब कार्यपालिका द्वारा बेंच हंटिंग की जाती है, तो यह न केवल एक नैतिक चूक है, बल्कि एक संवैधानिक अपमान भी है।

भारत के संस्थापक चार्टर में निहित शक्तियों का पृथक्करण, सरकार की प्रत्येक शाखा द्वारा दूसरे की अधिकार-सीमाओं का सम्मान करने पर निर्भर करता है। कार्यपालिका द्वारा किसी पीठ की संरचना को प्रभावित करने का प्रयास न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भीतर से ही नष्ट करना है। ऐसा हर कदम सार्वजनिक जीवन में न्यायालय के अधिकार को बनाए रखने वाली तटस्थता की धारणा को कमज़ोर करता है।

भले ही कोई औपचारिक कदाचार सिद्ध न हो, लेकिन हेरफेर का आभास मात्र न्याय प्रणाली में विश्वास को नुकसान पहुंचा सकता है।न्यायाधीशों को राजनीतिक या संस्थागत प्रभाव से मुक्त रखने का सिद्धांत लोकतांत्रिक वैधता के मूल में है। जब वादी, विशेष रूप से राज्य की शक्ति का प्रयोग करने वाले, अपने पसंदीदा परिणामों के अनुरूप प्रक्रियात्मक कदम उठाते देखे जाते हैं, तो यह इस बारे में संदेह पैदा करता है कि क्या न्यायालय वास्तव में कार्यपालिका की अतिरेक पर अंकुश लगाते हैं। इसलिए न्यायमूर्ति गवई की यह स्पष्ट टिप्पणी कि सरकार %उनकी पीठ से बचने के लिए उत्सुक% प्रतीत होती है, कोई आकस्मिक टिप्पणी नहीं थी, बल्कि एक सार्वजनिक संकेत था कि इस तरह के आचरण को अनदेखा नहीं किया जाएगा। इससे यह संकेत मिलता है कि न्यायालय के भीतर भी, इस बात की जागरूकता है कि राज्य द्वारा किए जाने वाले व्यवहार के पैटर्न न्यायिक स्थान पर चुपचाप अतिक्रमण कैसे कर सकते हैं।इस क्षण को विशेष रूप से संवेदनशील बनाने वाली बात यह है कि यह समकालीन भारत में न्यायपालिका और सरकार के बीच संतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है। पिछले एक दशक में, कई उच्च-दांव वाले संवैधानिक मामलों- चुनावी बॉन्ड योजना को चुनौती देने से लेकर संघीय नियुक्तियों से जुड़े मामलों तक- में देरी, स्थगन या अंतिम समय में प्रक्रियात्मक विचलन देखा गया है। इनमें से कई मामलों में, आलोचकों ने सरकार पर रणनीतिक बाधा डालने का आरोप लगाया है। यह धारणा कि कार्यपालिका गुण-दोष पर बहस करने के बजाय, प्रक्रियात्मक साधनों के माध्यम से जवाबदेही को प्रबंधित या विलंबित करने का प्रयास कर रही है, संस्थागत बेचैनी की कहानी को और बल देती है।यहां दांव पर केवल एक मामले के परिणाम से कहीं अधिक है।

सर्वोच्च न्यायालय की विश्वसनीयता न केवल उसके निर्णयों पर, बल्कि उसकी प्रक्रियाओं की अखंडता पर भी निर्भर करती है। न्यायालय संवैधानिक सीमाओं का अंतिम निर्णायक है, और इसकी ताकत जनता के इस विश्वास में निहित है कि वह उन लोगों से स्वतंत्र रूप से कार्य करता है जिनका न्याय करने के लिए उसे बुलाया जाता है। प्रत्येक प्रकरण जो इसके विपरीत संकेत देता है- चाहे वह 2018 में मुख्य न्यायाधीश द्वारा कथित पीठ हेरफेर के माध्यम से हो या अब कार्यपालिका पीठ शिकार के आरोपों के माध्यम से- उस विश्वास को उत्तरोत्तर कमजोर करता है।मुख्य न्यायाधीश का आक्रोश एक आंतरिक दुविधा को भी दर्शाता है। वह है राजनीतिक टकराव की स्थिति में आए बिना संस्था को सूक्ष्म घुसपैठ से कैसे बचाया जाए। न्यायपालिका को सरकार के साथ खुले टकराव में उतरे बिना अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। लेकिन चुप्पी की भी कीमत चुकानी पड़ती है। जब पीठों को स्थानांतरित करने या उनका विस्तार करने के प्रयासों को चुनौती नहीं दी जाती, तो वे एक ऐसी संस्कृति को सामान्य बना सकते हैं जहां शक्तिशाली वादी यह मान लेते हैं कि वे न्यायिक प्रक्रिया को अपने फायदे के लिए ढाल सकते हैं। इस प्रथा का सार्वजनिक रूप से विरोध करके, न्यायमूर्ति गवई ने इस सामान्यीकरण को बर्दाश्त करने से इनकार करने का संकेत दिया है

ऑल इंडिया वॉलीबाल टूर्नामेंट में प्रयागराज के तीन खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

एजेंसी

प्रयागराज। ग्वालियर, मध्य प्रदेश स्थित रानी लक्ष्मीबाई क्रीड़ा संस्थान द्वारा आयोजित 'ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर वॉलीबाल टूर्नामेंट' में भारत सरकार के कार्यालय लेखा नियंत्रक (सीएजी) की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। सीएजी की वॉलीबाल टीम से प्रयागराज जिले के तीन खिलाड़ियों प्रभात कुमार राय, विमल पांडेय और हरिशंकर सिंह ने प्रतिभाग कर अपना प्रदर्शन किया। तीनों खिलाड़ी यू.पी.ए.जी इलाहाबाद में कार्यरत हैं। उक्त आशय की जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने बताया कि पिछले कई वर्षों के अंतराल के पश्चात इस वर्ष किसी ऑल इंडिया वॉलीबाल टूर्नामेंट के लिए सीएजी की वॉलीबाल टीम का गठन हुआ है। जिसमें प्रयागराज जिले से तीन खिलाड़ियों का चयन होने पर एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं खिलाड़ियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए अग्रिम शुभकामनाओं के साथ बधाइयां दी है। बधाइयां देने वालों में जॉर्डन.एच.नाथ, आर.पी.शुक्ला, के.बी.एल श्रीवास्तव, फूलचंद गुप्ता, अल्ताफ अली, रविकांत यादव, रामाश्रय राय, पंकज शुक्ला, मुकेश शुक्ला, वाई.एन.सिंह, प्रमोद राय, विनोद शुक्ला, राजेश वर्मा, सतेंद्र पांडेय व धनजंय राय आदि है।

सत्रहवीं बिजनौर जिला ताईक्वाण्डो चैम्पियनशिप का भव्य आयोजन

बिजनौर। जिला ताईक्वाण्डो एसोसिएशन बिजनौर एवं जिला खेल कार्यालय बिजनौर के संयुक्त तत्वावधान में 17वीं बिजनौर जिला ताईक्वाण्डो चैम्पियनशिप 2025 (बालक एवं बालिका वर्ग) का भव्य आयोजन नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम, बिजनौर में किया गया। मुख्य अतिथि ऐश्वर्या मौसम चौधरी, भाजपा नेता, बिजनौर ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें अनुशासन, आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना से भी ओत-प्रोत करती हैं। बिजनौर के खिलाड़ी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जो हमारे जनपद के लिए गर्व की बात है। मैं जिला खेल कार्यालय व ताईक्वाण्डो एसोसिएशन की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करती हूँ, जिन्होंने युवाओं को सही दिशा में आगे बढ़ने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि बिजनौर विधानसभा क्षेत्र के जो भी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करेंगे, उन्हें मेरी ओर से ?51,000 का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पाकिस्तान ने कुवैत की टीम को 43 रनों से हराकर हांगकांग सिक्सेस का खिताब जीता

हांगकांग। पाकिस्तान ने हांगकांग सिक्सेस 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में कुवैत की टीम को 43 रनों से हराकर छठी बार ट्राफी अपने नाम की। इस टूर्नामेंट के इतिहास में पाकिस्तान ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई है। हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेले गए फाइनल में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में तीन विकेट पर 135 रन का बड़ा स्कोर बनाया। टीम के खिलाड़ी अब्दुल समद ने 13 गेंदों में 42 रन और कप्तान अब्बास अफरीदी ने 11 गेंदों में 52 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। कुवैत की ओर से मीत भावसार ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कुवैत की टीम 5.1 ओवर में 92 रन ही बना पाई। कुवैत ने तेज शुरुआत की, लेकिन बाद में पाकिस्तान के अनुशासित गेंदबाजी अटैक ने मैच में पकड़ मजबूत कर ली और आखिरकार कुवैत को 43 रनों से हार थमा दी। टीम के लिए अदनान इदरीस ने 8 गेंदों पर 30 रन और मीत भावसार ने 12 गेंदों में 33 रन बनाए।हार के बावजूद टुर्नामेंट में कुवैत का अभियान शानदार रहा। कुवैत ने पहली बार हांगकांग सिक्सेस में हिस्सा लिया था और वह फाइनल तक पहुंचने में कामयाब रही।

आरसीबी ने पूर्व इंग्लिश गेंदबाज अन्या श्रुबसोल को सहायक कोच बनाया

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की मेगा नीलामी से पहले इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज अन्या श्रुबसोल को सहायक कोच नियुक्त किया है। श्रुबसोल नवनियुक्त मुख्य कोच मालोलन रंगराजन के साथ काम करेंगी, जिन्होंने ल्यूक विलियम्स की जगह ली है। अपने खेल के दिनों में विश्व क्रिकेट की शीर्ष तेज गेंदबाजों में से एक श्रुबसोल 2017 महिला विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा थीं। वह फाइनल में भारत के खिलाफ 47 रन देकर 6 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं। अन्या श्रुबसोल ने साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। उनके नाम 200 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं।द हंड्रेड महिला प्रतियोगिता में खिलाड़ी-कोच की भूमिका निभाने के बाद श्रुबसोल कोचिंग अनुभव के साथ आरसीबी में शामिल हुई हैं। श्रुबसोल की नियुक्ति पर मुख्य कोच रंगराजन ने कहा, अन्या अपने साथ अनुभव और नेतृत्व का खजाना लेकर आई हैं। वह हमारी गेंदबाजी इकाई की देखरेख करेंगी और हमारे थिंक टैंक की एक अभिन्न सदस्य के रूप में काम करेंगी। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह टीम के साथ सहजता से घुल-मिल जाएंगी और मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगी। महिला प्रीमियर लीग 2026 के लिए मेगा ऑक्शन 27 नवंबर को होना है। इससे पहले सभी टीमों ने बीते दिनों रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की।

प्रीमियर लीग 2025-26: मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को 3-0 से हराया

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी ने अपने मैनेजर पेप गार्डियोला के करियर के 1000वें मैच को यादगार बना दिया, जब उन्होंने रविवार देर रात एतिहाद स्टेडियम में लिवरपूल को 3-0 से मात दी। इस जीत के साथ सिटी ने प्रीमियर लीग तालिका में आर्सेनल की बढ़त को घटाकर चार अंक कर दिया।आर्सेनल का सुंदरलैंड से 2-2 ड्रॉ होने के बाद सिटी के पास दबदबा दिखाने का मौका था, और गार्डियोला की टीम ने सीज़न का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह मौका भुनाया। पहले हाफ में एर्लिंग हॉलैंड को पेनल्टी मिली, जिसे लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी मामरदाशविली ने बचा लिया। लेकिन 29वें मिनट में हॉलैंड ने मैथ्यूस नूनेस के शानदार क्रॉस पर हेडर लगाकर गोल किया और सिटी को बढ़त दिलाई।

लिवरपूल ने बराबरी का गोल किया था जब वर्जिल वैन डाइक ने मोहम्मद सलाह के कॉर्नर पर हेडर मारा, लेकिन एंडी रॉबर्टसन के ऑफसाइड रहने की वजह से गोल रद्द हो गया। कुछ ही मिनटों बाद हाफ टाइम से ठीक पहले निको गोंजालेज़ की शॉट वैन डाइक से टकराकर गोलपोस्ट में चली गई और सिटी 2-0 से आगे हो गई। दूसरे हाफ में लिवरपूल ने वापसी की कोशिश की, परंतु कोडी गाक्पो ने करीब से आसान मौका गंवा दिया। 63वें मिनट में जेरेमी डोकू ने शानदार व्यक्तिगत कौशल दिखाते हुए इब्राहिमा कोनाटे को छकाया और टॉप कॉर्नर में शॉट लगाकर स्कोर 3-0 कर दिया।लिवरपूल ने कुछ मौके बनाए—डोमिनिक स्ज़ोबोस्लाई ने दूर से शॉट मारा और सलाह ने वन-ऑन-वन मौका गंवाया—लेकिन सिटी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबला समाप्त किया। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि लिवरपूल आठवें स्थान पर खिसक गया और उसे इस सीज़न में पहले ही पांचवीं हार झेलनी पड़ी है।

गार्डियोला के लिए यह मैच विशेष रहा – यह उनके मैनेजमेंट करियर का 1000वां मुकाबला था और उन्होंने इसमें 716वीं जीत दर्ज की (जिनमें से 388 सिटी के साथ)।

साउथ अफ्रीका-ए ने भारत-ए को दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका-ए ने भारत-ए को दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ दो मैचों की यह सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। पहले टेस्ट में भारत-ए ने 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी मैदान 1 पर खेले गए मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारत-ए टीम ने पहली पारी में ध्रुव जुरेल के 132 रन की बदौलत 255 रन बनाए थे। वहीं साउथ अफ्रीका-ए की पहली पारी 221 रन पर सिमट गई थी। दूसरी पारी में जुरेल के शतक और कप्तान ऋषभ पंत के अर्धशतक से भारत ने सात विकेट पर 382 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। इससे साउथ अफ्रीका-ए को 417 रन का लक्ष्य मिला था।

चौथे दिन 417 रनों के लक्ष्य को साउथ अफ्रीका-ए ने 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका ने 25 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज जॉर्डन हरमन और लेसेगो सेनोकवाने ने पचासा जड़ा। जॉर्डन ने 91 रनों की पारी खेली, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल रहे। वहीं सेनोकवाने ने 77 रन बनाए। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद जुबैर हमजा ने भी 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 77 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। कप्तान मार्केस एकरमैन 24 रन बनाकर आउट हुए। वरिष्ठ बल्लेबाज टेम्बा बावुमा ने भी फिफ्टी लगाई। उन्होंने 59 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज कन्नूर एस्टरहुइजन ने नाबाद 52 रन बनाकर मैच साउथ अफ्रीका के नाम कर दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और हर्ष दुबे ने एक-एक विकेट चटकाए।

अरुण बने झारखंड अंडर-19 क्रिकेट टीम के मैनेजर

एजेंसी

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) ने चाईबासा के वरिष्ठ खेल प्रबंधक और पूर्व क्रिकेटर अरुण मूंधड़ा (जिप्पी) को बीसीसीआई की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित कूच बिहार ट्रॉफी के लिए झारखंड अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति पश्चिमी सिंहभूम जिले के लिए गर्व का विषय है। चाईबासा के यूरोपियन क्वार्टर निवासी अरुण मूंधड़ा लंबे समय से क्रिकेट से जुड़े हुए हैं और वे पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ तथा झारखंड राज्य क्रिकेट संघ दोनों के आजीवन सदस्य हैं। पूर्व क्रिकेटर रहे मूंधड़ा को क्रिकेट प्रशासन और प्रबंधन का लंबा अनुभव है। उन्होंने कई वर्षों तक पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया है और जिले में क्रिकेट के विकास के लिए लगातार सक्रिय भूमिका निभाई है। यह दूसरा अवसर है जब जेएससीए ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले वर्ष 2009-10 में वे विवेक सिंह की कप्तानी वाली झारखंड अंडर-16 टीम के मैनेजर रह चुके हैं। उस दौरान टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था, और उसी अनुभव के आधार पर इस बार फिर उन्हें अंडर-19 टीम के साथ कार्य करने का मौका मिला है।

अरुण मूंधड़ा की नियुक्ति पर पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मुकुंद रुंगटा और महासचिव असीम कुमार सिंह ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह न केवल मूंधड़ा बल्कि पूरे जिले के लिए सम्मान की बात है। दोनों पदाधिकारियों ने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष और सचिव का आभार जताया है कि उन्होंने जिले से एक अनुभवी क्रिकेट प्रशासक पर भरोसा जताया।

अरुण मूंधड़ा 13 नवम्बर को रांची से हवाई मार्ग के जरिए राजकोट के लिए रवाना होंगे, जहां झारखंड टीम अपना पहला मुकाबला 16 नवम्बर से सौराष्ट्र के विरुद्ध खेलेगी। लगभग एक माह तक चलने वाली कूच बिहार ट्रॉफी (एलिट ग्रुप) के तहत झारखंड टीम सौराष्ट्र, हैदराबाद, बड़ौदा, केरल और पंजाब के खिलाफ मुकाबले खेलेगी।

इस बार झारखंड अंडर-19 टीम में पश्चिमी सिंहभूम जिले के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों – साकेत कुमार सिंह और गौरव सिंह – का भी चयन हुआ है। इन दोनों खिलाड़ियों के चयन और अरुण मूंधड़ा की नियुक्ति से जिले के खेल प्रेमियों और क्रिकेट समुदाय में उत्साह का माहौल है। क्रिकेट प्रेमियों का कहना है कि अरुण मूंधड़ा का अनुभव और नेतृत्व झारखंड अंडर-19 टीम के प्रदर्शन में सकारात्मक ऊर्जा भरने का काम करेगा। पश्चिमी सिंहभूम अब राज्य क्रिकेट में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है, जो जिले के खिलाड़ियों और खेल प्रशासकों के लिए प्रेरणादायक है।

एफआईएच महिला जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम घोषित, ज्योति सिंह करेंगी टीम की अगुवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को एफआईएच महिला जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 25 नवंबर से 13 दिसंबर 2025 तक सैंटियागो (चिली) में खेला जाएगा।

18 खिलाड़ियों और 2 वैकल्पिक खिलाड़ियों से बनी यह 20 सदस्यीय भारतीय टीम अपने कड़े अभ्यास का नतीजा दिखाने और विश्व स्तर पर मजबूत प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। भारत को पूल-सी में रखा गया है, जिसमें जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया जैसी टीमें हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 01 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 3 दिसंबर को जर्मनी और 5 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ेगा। प्रत्येक पूल की शीर्ष टीमें 7 से 13 दिसंबर के बीच खेले जाने वाले नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। टीम की कप्तानी एक बार फिर ज्योति सिंह के हाथों में होगी, जबकि मुख्य कोच तुषार खांडेकर टीम की कमान संभालेंगे।मुख्य कोच तुषार खांडेकर ने टीम चयन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मैं इस टीम से बहुत खुश हूं। हमारा मुख्य फोकस अनुशासन पर रहा है और इसी सोच के साथ हमने यह टीम बनाई है। बीते कुछ महीनों में लड़कियों ने रक्षा और फिनिशिंग दोनों क्षेत्रों में शानदार सुधार दिखाया है। अब वे ज्यादा परिपक्व और आत्मविश्वासी नजर आ रही हैं।' उन्होंने कहा, 'हम सभी चिली जाने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। टीम का जोश और आत्मविश्वास दोनों ही

उच्च स्तर पर हैं, और हमें उम्मीद है कि यह टीम विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करेगी।

टीम इस प्रकार हैः

गोलकीपरः निधि, एंगिल हर्षा रानी मिन्ज।

डिफेंडरः मनीषा, लल्थनलुआलांगी, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू, नंदिनी।

मिडफील्डरः साक्षी राणा, ईशिका, सुनेलिता टोप्पो, कप्तान ज्योति सिंह, खैदेम शिलैमा चानू, बिनिमा धान।

फॉरवर्डः सोनम, पूर्णिमा यादव, कनिका सिवाच, हिना बानो, सुखवीर कौर।

चार रोमांचक शूट-ऑफ के बाद अनिश भंवाला ने जीता वर्ल्ड चैंपियनशिप का रजत पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपियन अनिश भंवाला ने काहिरा में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। यह उनके करियर का पहला सीनियर व्यक्तिगत विश्व चैंपियनशिप पदक है। 23 वर्षीय अनिश ने पूरे मुकाबले में चार शूट-ऑफ पार करते हुए अद्भुत धैर्य और आत्मसंयम का परिचय दिया। सेमीफाइनल दौर में उन्होंने यूक्रेन के माक्सिम होरोडिनेत्स को रोमांचक डबल शूट-ऑफ में हराकर फाइनल में जगह बनाई। स्वर्ण पदक फ्रांस के क्लेमेंट बेसागुए ने जीता, जिन्होंने लगातार दो बार रजत पदक जीतने के बाद इस बार स्वर्ण हासिल किया। इससे पहले अनिश ने जर्मनी के इमैनुएल मुलर को एक और शूट-ऑफ में मात देकर पदक की दौड़ में बने रहे। मुकाबले के बाद उत्साहित अनिश ने कहा, 'इस पल को शब्दों में बयां करना मुश्किल है – यह एक

अविश्वसनीय अनुभव है। मैंने कई बार कोशिश की, लेकिन प्रतियोगिता के दबाव में प्रदर्शन नहीं कर पाया। इस बार मेरी तैयारी बेहतर थी और सब कुछ मेरे पक्ष में गया।÷ उनकी इस उपलब्धि के साथ ही अनिश ने अगले महीने दोहा में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है।अनिश ने दो दिनों में 585-22× अंकों के साथ छह खिलाड़ियों की फाइनल सूची में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। उन्होंने फाइनल की शुरुआत बेहतरीन अंदाज में की – पहली सीरीज़ में सभी निशाने सटीक लगाए और उसके बाद लगातार दो राउंड में चार-चार हिट हासिल किए। पहले एलिमिनेशन के समय वे 16 हिट के साथ सुरक्षित स्थिति में थे। इसके बाद उन्होंने मुलर और फिर होरोडिनेत्स के खिलाफ लगातार शूट-ऑफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए खुद को रजत पदक की स्थिति में बनाए रखा। स्वर्ण पदक राउंड में अनिश को फ्रांस के बेसागुए के 29 अंकों के स्कोर को चुनौती देने के लिए पांचों निशाने सटीक लगाने थे, लेकिन वे तीन ही हिट कर पाए। इस तरह भारत के लिए रजत और फ्रांस के लिए स्वर्ण पदक पक्का हो गया। इसी बीच, भारत की एयर राइफल मिक्स्ड टीम पदक राउंड में जगह नहीं बना सकी। अर्जुन बाबूटा और एलेवेनिल वालारिवन की जोड़ी 632.3 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रही, जो चौथे स्थान से सिर्फ 1.6 अंक पीछे थी। दूसरी जोड़ी रुद्रांक्ष पाटिल और श्रेया अग्रवाल 628.8 अंकों के साथ 21वें स्थान पर रही।

शिवपुर क्लब वाराणसी की खिताबी जीत

एजेंसी

प्रयागराज। शिवपुर क्लब वाराणसी ने गोपाल दास क्लब प्रयागराज को 137 रन से हराकर सैयद असद कासिम स्मृति राज्य स्तरीय अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर कब्जा जमा लिया। मजीदिया इस्लामिया इंटर कालेज मैदान पर खेले गए फाइनल में शिवपुर क्लब ने 35 ओवर में 6 विकेट पर 256 रन (रुद्रांश सिंह 113, हर्ष 37, अभिजीत 3-63) बनाये। जवाब में गोपाल दास क्लब की टीम 22.1 ओवर में 119 रन (विकास सिंह 51, रौनक यादव 20, शिवम यादव 3-06, रोहित पटेल 3-24, शुभम यादव 2-24) पर सिमट गई। मैच में शिशिर मेहरोत्रा व मोहम्मद नबी अम्पायर और खुर्शीद अहमद व मोहम्मद सैफ स्कोरर रहे।समापन समारोह के मुख्य अतिथि रिटायर्ड आईपीएस शांतनु मुखर्जी, विशिष्ट अतिथि प्रयागराज के पूर्व मंडलायुक्त बादल चटर्जी एवं इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल उत्तर प्रदेश के रिटायर्ड रजिस्ट्रार मोहम्मद अशरफ ने पुरस्कार वितरित किए। शीबू भट्टाचार्य, गौहर काज़मी, लियाकत अली और शादाब रजा ने विशेष पुरस्कार दिए। एनआईएस कोच देवेश मिश्र ने रुद्रांश सिंह को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। भानु प्रताप सिंह क्लब के शिव गौतम को बेस्ट बैटर, दिव्यांश यादव को बेस्ट बॉलर, रौनक यादव को बेस्ट फील्डर और मुकर्रम रजा को मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। समारोह में क्रिकेट शहर के क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, साहित्य और संस्कृति से जुड़ी 26 नामचीन हस्तियों को भी स्मृति चिन्ह एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के अध्यक्ष शाहिद अस्करी ने अतिथियों का स्वागत, आयोजन सचिव शमशाद अहमद (चंदू) ने धन्यवाद ज्ञापित और प्रो. पीके घोष ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर विनय दुबे, संतोष यादव, गौहर काजमी, परवेज़ आलम, शमशेर अली खान, एमएसआर नकवी, सैफी अहमद, अजय यादव, अख्तर मेंहदी, महमूद ज़ैदी, तनवीर नक़वी, मज़हर जिया, अकील अब्बास रिज़वी, डॉ. जूली ओझा, जुल नूरन आदि मौजूद रहे।

ला लीगा: रयो वायेकानो ने रियल मैड्रिड को गोलरहित ड्रॉ पर रोका, एम्बाप्पे रहे बेअसर

एजेंसी

मैड्रिड। ला लीगा की शीर्ष टीम रियल मैड्रिड को रयो वायेकानो ने कड़ी टक्कर देते हुए 0-0 के ड्रॉ पर रोक दिया। इस परिणाम से मौजूदा चैंपियन बार्सिलोना को अंकतालिका में अंतर घटाने का मौका मिल गया है। ज़ाबी अलोंसो की टीम अब दूसरे स्थान की विलारियल से पाँच और तीसरे स्थान की बार्सिलोना से छह अंक आगे है। बार्सिलोना अब अपने अगले मैच में सेल्टा विगो से भिड़ेगी।

स्थानीय डर्बी मुकाबले में रयो वायेकानो ने शानदार संघर्ष दिखाया। हालांकि रियल मैड्रिड ने बेहतर मौके बनाए, लेकिन रयो की सुदृढ़ रक्षापंक्ति ने किलियन एम्बाप्पे, विनीसियस जूनियर और जूड बेलिंगहैम की प्रभावी जोड़ी को पूरी तरह नियंत्रण में रखा। रियल मैड्रिड हाल ही में लिवरपूल से चैंपियंस लीग

में मिली हार के बाद वापसी की उम्मीद कर रही थी, लेकिन इस ड्रॉ के साथ अलोंसो की टीम को इस सीजन में सिर्फ दूसरी बार अंक गंवाने पड़े।

मैच के शुरुआती पलों में रयो ने तेज़ी दिखाई। आंद्रेई राटियु ने गोलकीपर थिबाउ कूर्टोआ को शुरुआती टेस्ट दिया, जबकि राउल असेन्सियो और विनीसियस ने गोल के करीब से मौके गंवाए। रयो के गोलकीपर अगुस्टो बताला ने कई महत्वपूर्ण बचाव किए, खासकर विनीसियस और जूड बेलिंगहैम के शॉट्स पर। एम्बाप्पे को ज़्यादातर समय गेंद से दूर रखा गया, और उनका प्रभाव सीमित रहा।

हाफटाइम के बाद अलोंसो ने एडर मिलिटाओ को मैदान में उतारा, जबकि जॉर्ज डे फ्रूटोस ने रयो के लिए करीब से गोल का मौका बनाया लेकिन निशाना चूक गए।

जूड बेलिंगहैम और फेडे वाल्वरडे के शॉट्स को बताला ने रोक लिया। अंतिम मिनटों में अरदा गुलर के प्रयास को भी रयो डिफेंस ने डिफ्लेक्ट कर कॉर्नर में बदल दिया, जिससे मैच 0-0 पर समाप्त हुआ।

बारिश ने चौथा टी20 रद्द कराया; न्यूजीलैंड का 2-1 की बढ़त के साथ सीरीज़ पर कब्जा बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली।नेल्सन में खेले जा रहे चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में बारिश ने एक बार फिर खलल डाल दिया। सिर्फ 39 गेंदों की खेल के बाद ही मुकाबला रद्द कर दिया गया। इस नतीजे के साथ न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज़ पर 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है। अब वेस्टइंडीज़ के पास गुरुवार को डुनेडिन में होने वाले पांचवें और आखिरी टी20 में सीरीज़ बराबर करने का मौका रहेगा, जबकि न्यूजीलैंड उसे 3-1 से जीत सकता है। मैच शुरू होने से पहले ही आसमान में बादल छाए हुए थे और मौसम विभाग ने शाम तक बारिश की संभावना जताई थी। इसके बावजूद टॉस और मैच की शुरुआत तय समय पर हुई। खेल के पांच ओवर पूरे होने के बाद पहली बार बारिश आई और लगभग 30 मिनट का ब्रेक लेना पड़ा। खेल दोबारा शुरू हुआ तो जिमी नीशम ने छठे ओवर में एलिक एथनाज़े (18 गेंद 21 रन 2 छक्के एक चौका) को पवेलियन भेज दिया

सिर्फ नौ गेंदों के बाद फिर बारिश आ गई और अंततः मैच रद्द घोषित कर दिया गया। जब मैच रद्द किया गया, उस समय वेस्टइंडीज का स्कोर 6.3 ओवर में 1 विकेट पर 38 रन था। आमिर जंगू 12 और साई होप 3 रन बनाकर नाबाद थे।

नो रिज़ल्टः वेस्टइंडीज़ - 38/1 (एथनाज़े 21, जंगू 12*, नीशम 1/5) बनाम न्यूजीलैंड

टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए हमारे पास अभी तीन महीने हैं : गंभीर

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के मामले में अभी उस स्थिति में नहीं है जहां वह पहुंचना चाहती है लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि इस मुकाम पर पहुंचने के लिए टीम के पास अभी पर्याप्त समय है। गंभीर ने बीसीसीआई टीवी से बातचीत में फिटनेस के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने 46 सेकंड की क्लिप में कहा, 'यह एक ऐसा ड्रेसिंग रूम है जहां बहुत अधिक पारदर्शिता और ईमानदारी है तथा हम चाहते हैं कि यह ड्रेसिंग रूम आगे भी ऐसा ही बना रहे। मुझे लगता है कि हम अभी भी उस स्थिति में नहीं हैं जहां हम टी20 विश्व कप तक पहुंचना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि खिलाड़ियों को फिट रहने का महत्व पता चल जाएगा। हमारे पास उस स्तर पर पहुंचने के लिए अभी भी तीन महीने हैं, जहां हम पहुंचना चाहते हैं।% टी20 विश्व कप अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। भारत इस प्रतियोगिता का मौजूदा चैंपियन है। गंभीर ने इसके साथ ही खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का अच्छी तरह से अहसास कराने और उन्हें समझने के लिए उनके सामने मुश्किल चुनौतियों को रखने की बात भी दोहराई। उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों के सामने जितना संभव हो सके उतनी कड़ी चुनौती रखते हैं। हमने शुभमन (गिल) के साथ भी यही किया था।

पोर्टिमाओ ग्रां प्री: बेज़ेकी ने दिखाया दम, मार्केज़ और एकोस्टा को पछाड़कर दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

मार्को बेज़ेकी। (अप्रीलिया रेसिंग) ने पोर्टिमाओ में आयोजित पुर्तगाल ग्रां प्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरू से अंत तक रेस में बढ़त बनाए रखी और जबरदस्त जीत हासिल की। 25 लैप्स की इस रेस में बेज़ेकी ने एक भी गलती नहीं की। इस जीत के साथ उन्होंने चैम्पियनशिप में तीसरे स्थान की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वहीं, एलेक्स मार्केज़ (बीके8 ग्रेसिनी रेसिंग मोटोजीपी) और पेड्रो एकोस्टा (रेड बुल केटीएम फैक्ट्री रेसिंग) ने पोडियम पर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बेहतरीन शुरुआतः बेज़ेकी ने संभाली कमान

लाइट्स आउट होते ही बेज़ेकी ने पोल पोजीशन से शानदार शुरुआत की, जबकि एकोस्टा ने भी दमदार शुरुआत की लेकिन बढ़त हासिल नहीं कर सके। एलेक्स मार्केज़ तीसरे स्थान पर आए और फिर दूसरे लैप में एकोस्टा को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, फ्रैंको मोर्बिडेली (पार्टामिना इंड्यूरो वीआर 46) शुरुआती लैप में टर्न-5 पर टक्कर का शिकार हुए लेकिन उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। इसी बीच जोआन मिर (होंडा एचआरसी कैस्ट्रॉल) तकनीकी खराबी के कारण दूसरे लैप में ही रेस से बाहर हो गए।

बीच की लड़ाई: पेको बान्याया की बदकिस्मती

फ्रांसेस्को बान्याया (डुकाटी लेनेवो टीम) चौथे स्थान पर थे, लेकिन लैप 11 में टर्न 10 पर क्रैश हो गए, जिससे उन्हें लगातार चौथे डीड नॉट फिनिश (डीएनएफ) का सामना करना पड़ा। इससे उनके चैम्पियनशिप में तीसरे स्थान की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा। इस दौरान फर्मिन एल्डेगुएर (बीके8 ग्रेसिनी रेसिंग मोटोजीपी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया, जबकि ब्रैड बिंडर (रेड बुल केटीएम) और फैबियो क्वार्टारारो (यामाहा) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

आखिरी लैप्स में रोमांचः एकोस्टा की वापसी

रेस के अंतिम चार लैप्स में पेड्रो एकोस्टा ने अपनी गति बढ़ाई और एलेक्स मार्केज़ के करीब पहुंच गए। हालांकि, आखिरी लैप तक मार्केज़ ने अपनी बढ़त बचाए रखी और दूसरा स्थान हासिल किया। इस बीच, आइ ओगुरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवां स्थान पाया, जो उनके लगातार दूसरे टॉप-10 फिनिश का संकेत है।

-अंत में बेज़ेकी का जलवा

अंतिम लैप में भी बेज़ेकी पूरी तरह नियंत्रण में रहे और बेहतरीन अंदाज़ में रेस खत्म की। उन्होंने 2025 सीज़न में अप्रैलिया को तीसरी जीत दिलाई – जो कि पहली बार है जब इस निर्माता ने एक ही सीज़न में तीन जीत दर्ज की हैं। एलेक्स मार्केज़ और एकोस्टा क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। एल्डेगुएर ने चौथा स्थान बनाए रखा, बिंडर पांचवें स्थान पर रहे जबकि क्वार्टारारो छठे स्थान पर रहे – जो उनका 2022 के बाद पुर्तगाल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ओगुरा सातवें, दी जियान्नांटनियो आठवें और जोहान ज़ार्को नौवें स्थान पर रहे। रेड बुल केटीएम टेक 3 के पोल एस्पारगारो शीर्ष 10 में रहे।

मप्र के 8 नगर निगमों को मिलेंगी 972 इलेक्ट्रिक बसें, केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्रालय ने दी मंजूरी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में डीजल ईंधन से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को रोकने के लिये सार्वजनिक परिवहन सेवा में इलेक्ट्रिक बसों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के 8 नगर निगमों में 972 पीएम ई-बस सेवा को मंजूरी दी है। यह बसें शीघ्र संचालित हों, इसके लिये नगरीय निकायों द्वारा बस डिपो और चार्जिंग से जुड़े सभी अधोसंरचना कार्य तेजी से किये जा रहे हैं। जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने बताया कि प्रदेश में बस डिपो अधोसंरचना निर्माण के लिये संबंधित नगरीय निकायों को केन्द्र सरकार द्वारा 60 प्रतिशत और राज्य सरकार द्वारा 40 प्रतिशत राशि प्रदाय की जा रही है। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन में चार्जिंग पाइंट अधोसंरचना निर्माण के लिये केन्द्र सरकार द्वारा 100 प्रतिशत राशि प्रदाय की जा रही है। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, केन्द्रीय शहरी कार्य मंत्रालय ने जिन नगर निगमों में ई-बसों की मंजूरी दी है, इनमें भोपाल में 195, इंदौर में 270, ग्वालियर में 100, जबलपुर में 200, उज्जैन में 100, सागर में 32, देवास में 55 और सतना में 20 ई-बसें शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने अपग्रेड की भारत की रेटिंग, निफ्टी के लक्ष्य में भी किया इजाफा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने भारत की रेटिंग को बढ़ा कर ओवरवेट कर दिया है। फर्म ने निफ्टी के लिए 2026 के अंत तक 29,000 अंक के स्तर तक पहुंचने का टारगेट भी दिया है। गोल्डमैन सैक्स ने 13 महीने पहले अक्टूबर 2024 में भारत की रेटिंग को घटाकर न्यूट्रल कर दिया था। साथ ही घरेलू शेयर बाजार के महंगे वैल्यूएशन के कारण 2026 के अंत तक के लिए निफ्टी के टारगेट को 27,500 से घटा कर 27,000 कर दिया था। तेरह माह बीतने के बाद ब्रोकरेज फर्म ने भारत की रेटिंग को अपग्रेड करने के साथ ही निफ्टी के 2026 के अंत तक के टारगेट को भी मौजूदा स्तर से करीब 15 प्रतिशत बढ़ा कर 29,000 अंक के स्तर तक पहुंचा दिया है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार में वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही देश की मौद्रिक और आर्थिक नीतियां भारत के विकास की रफ्तार को सपोर्ट करने के लिए मजबूत भी कर रही हैं। ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय बाजार में ब्याज दरों में कटौती और जीएसटी के रेट में किए गए सुधार के बाद डिमांड और कंजंप्शन (मांग और खपत) में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

पश्चिम बंगाल में आगामी एक दिसंबर से शराब की कीमतें बढ़ेंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी एक दिसंबर से बीयर को छोड़कर सभी श्रेणी की शराब कीमतों में बढ़ोतरी लागू हो जायेगी। राज्य आबकारी विभाग विभाग के हाल ही में अधिसूचित इस फैसले से बीयर को छोड़कर, भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) और देशी शराब की सभी श्रेणियों की शराब कीमतों में बढ़ोतरी हो जायेगी। अधिसूचना के अनुसार सभी निर्माताओं, वितरकों और थोक व्यापारियों को 30 नवंबर तक मौजूदा स्टॉक को पुरानी दरों पर बेचने का निर्देश दिया गया है। इस अवधि के बाद कोई भी शराब, संशोधन-पूर्व कीमतों पर नहीं बेची जा सकेगी। कोई भी ÷नहीं बिका÷ (अनसोल्ड) स्टॉक÷ स्वतः ही नए कर ढांचे के अंतर्गत आ जाएगा और विक्रेताओं को उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए संशोधित मूल्य स्टिकर के साथ बोतलों पर पुनः लेबल लगाने का निर्देश दिया गया है। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने कहा कि परिवर्तित दरें सभी संबंधित हितधारकों को पहले ही भेज दी गई हैं। नई नीति लागू होने से पहले प्रत्येक ब्रांड मालिक और वितरक को आवश्यक पंजीकरण और लेबल संशोधन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। आबकारी अधिकारियों को दिसंबर की शुरुआत में बाज़ार में अस्थायी उतार-चढ़ाव की आशंका है लेकिन कोई बड़ा व्यवधान होने की उम्मीद नहीं है।

अब बिना इंटरनेट के चलेगा यूपीआई

नई दिल्ली। भारत में UPI ने पैसों के लेन-देन को आसान बनाया है। ज्यादातर लोग पैसे रखने के बजाय मोबाइल से ऑनलाइन पेमेंट कर रहे हैं। देश में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) के माध्यम से पैसों का लेन-देन बेहद आसान हो गया है। वर्तमान में अधिकतर लोग नकद पैसे रखने के बजाय मोबाइल की मदद से यूपीआई के जरिये पेमेंट करना पसंद करते हैं। हालांकि, नेटवर्क समस्या या बैंक सर्वर डाउन होने के चलते कभी-कभी UPI ट्रांजैक्शन फेल हो जाता है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठता है क्या इंटरनेट के बिना UPI से पैसे भेजे जा सकते हैं? इसका जवाब है हां। आप बिना इंटरनेट के भी असंरचित सप्लीमेंट्री सर्विस डेटा (USSD) सेवा की मदद से ऑफलाइन पेमेंट कर सकते हैं। बिना इंटरनेट यानी ऑफलाइन पेमेंट करने के लिए आपका मोबाइल नंबर बैंक अकाउंट से लिंक होना चाहिए। इसके बाद बैंक की एप या वेबसाइट से यूपीआई पिन सेट कर लें। एक बार यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद आसानी से ऑफलाइन ट्रांजैक्शन कर सकेंगे।

बिना इंटरनेट ऐसे करें पैसे ट्रांसफर

अपने मोबाइल के *डायलर में 99# टाइप करके कॉल बटन दबाएं।

फिर स्क्रीन पर मेन्यू खुलेगा। उसमें Send Money, Check Balance और Request Money जैसे विकल्प होंगे।

इस सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 6 नए आईपीओ, 7 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में छह कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से चार आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च किए गए चार कंपनियों के आईपीओ में भी 10 और 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो सात कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 11 नवंबर को एमवी फोटोवोल्टिक लिमिटेड का 2,900 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 206 रुपये से लेकर 217 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 69 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 9.87 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 3.48 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 18 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 11 नवंबर को ही पुड्डेक फर्म फिजिक्स वाला का 3,480 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 103 रुपये से लेकर 109 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 137 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 28.44 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 3.48 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 18 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

इसी दिन वर्कमेट्स कोर-2-क्लाउड का 69.84 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 200 रुपये से लेकर 204 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 27.37 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 5.14 लाख शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 14 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 18 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अलावा महामाया लाइफसाइंसेज लिमिटेड का 70.44 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 11 नवंबर को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 13 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 108 रुपये से लेकर 114 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है।

सुजुकी मोटर गुजरात और मारुति सुजुकी इंडिया के विलय को एनसीएलटी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के साथ सुजुकी मोटर गुजरात के विलय को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने रेगुलेटरी फाइलिंग को बताया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की दिल्ली स्थित दो सदस्यीय पीठ ने सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (हस्तांतरणकर्ता कंपनी) और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (हस्तांतरिती कंपनी) की संयुक्त याचिका को मंजूरी दे दी है। पीठ ने इस विलय योजना के लिए नियत तारीख एक अप्रैल, 2026 प्रस्तावित की है। एनसीएलटी पीठ के अध्यक्ष रामलिंगम सुधाकर और सदस्य रवींद्र चतुर्वेदी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232 के तहत दोनों कंपनियों के प्रस्तावित विलय की योजना को मंजूरी दी है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि संबंधित प्राधिकारियों के रुख और सभी याचिकाकर्ता कंपनियों के सदस्यों और लेनदारों की स्वीकृति पर विचार करने के बाद इस योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं है। कंपनी के मुताबिक न्यायाधिकरण ने कहा कि यह योजना दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों, उनके शेयरधार कों, लेनदारों, कर्मचारियों और सभी संबंधित पक्षों के हित में है, और मौजूदा योजना को मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं है। पीठ ने पाया कि आयकर विभाग और आधिकारिक परिसमापक, अहमदाबाद ने इस विचाराधीन योजना के संबंध में अपनी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है। इसके अलावा अन्य वैधानिक प्राधिकरण जैसे आरबीआई, सेबी, बीएसई और एनएसई ने भी कोई आपत्ति दर्ज नहीं की है।

सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 के लिए अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट-पूर्व परामर्श बैठक की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। संसद में 1 फरवरी को बजट पेश किया जाना है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन के अलावा डीईए के वरिष्ठ अधिकारी भी इसमें शामिल हुए। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि बजट-पूर्व परामर्श, बजट निर्माण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे

सरकार को केंद्रीय बजट को अंतिम रूप देने से पहले विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों से विविध दृष्टिकोण प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार नौंवा बजट होगा। वित्त मंत्रालय की नवीनतम मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार अगस्त में अमेरिका के भारत पर उच्च टैरिफ लगाए जाने के बावजूद, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी आई है।

सर्राफा बाजार में फिसली चांदी, ऑल टाइम हाई से करीब 45 हजार तक आई गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में आज सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। आज की इस गिरावट के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,52,200 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 1,52,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,52,200 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,52,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 1,52,700 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,52,300 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 1,64,900 रुपये के स्तर पर आ गई है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि इन दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के दाम थोड़ा घटे हैं, जिसका असर घरेलू बाजार में भी दिख रहा है। इसके अलावा घरेलू बाजार में त्योहारों के बाद चांदी की मांग कुछ कम हुई है, जिसके बाद दाम भी कम हुए। अगर चांदी के ऑल टाइम हाई से तुलना करे तो चांदी की कीमत में लगभग 45 हजार रुपये की कमी आ चुकी है। मयंक मोहन का कहना है कि चांदी की कीमत में आने वाले दिनों में दोबारा तेजी का

रुख बन सकता है। देश में अब शादी का सीजन शुरू हो गया है, जिससे आने वाले समय में चांदी की खरीद में तेजी आने की उम्मीद बन गई है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,22,010 रुपये से लेकर 1,22,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,11,840 रुपये से लेकर 1,11,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,52,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,22,160 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,22,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

1,11,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,22,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,11,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,22,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,11,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,22,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,22,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,11,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,22,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,11,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,22,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,11,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,22,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,11,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

साप्ताहिक समीक्षा : लगातार दूसरे सप्ताह कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। माना जा रहा है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली, अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत की अनिश्चितता और कॉरपोरेट सेक्टर के मिले-जुले परिणामों के कारण पिछले सप्ताह के कारोबार में लगातार असमंजस का माहौल बना रहा। इस असमंजस की वजह से बाजार को निगेटिव नोट के साथ साप्ताहिक कारोबार का अंत करना पड़ा। शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स 1 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, अदानी ग्रीन एनर्जी, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, इंडियन होटल्स कंपनी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन और मैनकाइंड फार्मा के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, वोडाफोन-आइडिया, इंडस टावर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्रीराम फाइनेंस, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और डाबर इंडिया के शेयर साप्ताहिक आधार पर 5 से 10 प्रतिशत तक की तेजी के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स इस सप्ताह तुलनात्मक तौर पर कम गिरावट का शिकार हुआ। मिडकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 0.60 प्रतिशत लुढ़क कर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल हिताची एनर्जी इंडिया, फिनिक्स मिल्स, पीआई इंडस्ट्रीज, 3एम इंडिया, आस्ट्रल और एल एंड टी फाइनेंस के शेयर 5 से 10 प्रतिशत तक की साप्ताहिक मजबूती के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, देल्हीवेरी, जेके सीमेंट, केएंस टेक्नोलॉजी इंडिया, ब्लू स्टार, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और क्लीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में साप्ताहिक आधार पर सबसे अधिक 1.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

टॉप 10 में शामिल देश की 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 88 हजार करोड़ से अधिक की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण बीएसई की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में 88 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान में भारती एयरटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। दूसरी ओर टॉप 10 कंपनियों में से 3 कंपनियों के मार्केट कैप में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का उछाल आ गया। इनमें सबसे अधिक फायदे में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) रही। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट

कैप में 88,635.28 करोड़ रुपये की कमी हो गई। दूसरी ओर, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 50,926.10 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 3 से 7 नवंबर के बीच हुए कारोबार के दौरान भारती एयरटेल का मार्केट कैप 30,506.26 करोड़ रुपये फिसल कर 11,41,048.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 23,680.38 करोड़ रुपये कम होकर 10,82,658.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 12,253.12 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,67,308.81 करोड़ रुपये के स्तर पर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 11,164.29 करोड़ रुपये कम होकर 20,00,437.77 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 7,303.93 करोड़ रुपये घट कर 15,11,375.21 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 2,139.52 करोड़ रुपये लुढ़क कर 6,13,750.48 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 1,587.78 करोड़ रुपये फिसल कर 9,59,540.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने नवंबर के पहले सप्ताह में ही 12,569 करोड़ के शेयर बेचे

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्टूबर के महीने में खरीदारी का जोर दिखाने के बाद नवंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एक बार फिर बिकवाल (सेलर) की भूमिका में नजर आने लगे हैं। नवंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजार से अभी तक 12,569 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार 29वें सप्ताह भी लिवाल (बायर) की भूमिका में बने हुए हैं। सिर्फ पिछले सप्ताह के कारोबार में ही घरेलू संस्थागत निवेशकों ने शेयर बाजार से 16,677.94 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार नवंबर के पहले अक्टूबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। हालांकि इसके पहले लगातार 3 महीने तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार से निकासी करते रहे थे। अक्टूबर के पहले सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से कुल 23,885 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी जबकि अगस्त के महीने में शेयर बाजार से निकासी का ये आंकड़ा 34.990 करोड़ रुपये का था इसी तरह जुलाई के महीने में भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली करके कुल 17,700 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

साल 2025 में अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ज्यादातर समय बिकवाल की भूमिका में ही रहे हैं। इस साल एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयरों की बिकवाली की है। नवंबर के महीने में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने डेट मार्केट से जनरल लिमिट के तहत 1,758 करोड़ रुपये की निकासी की। दूसरी ओर, वॉलंटरी रिटेंशन रूट के जरिये विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 1,416 करोड़ रुपये का निवेश भी किया है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का मुख्य कारण कमजोर वैश्विक संकेत और ट्रेड डील को लेकर बनी अनिश्चितता को माना जा सकता है। इन दोनों वजहों के कारण विदेशी निवेशक जोखिम मुक्त रणनीति अपनाने पर विवश हुए हैं। इसी वजह से नवंबर के पहले कारोबारी सप्ताह में एफपीआई ने बिकवाली की रणनीति अपनायी है।

दिल्ली थोक जिंस बाजार में सप्ताह के दौरान गेहूं, चावल ,तेलों में गिरावट, दालों में मिला जुला रुख

नई दिल्ली। दिल्ली की थोक मंडियों में समाप्त कारोबारी सप्ताह के दौरान चावल, गेहूं ,आटा और मूंगफली को छोड़ कर अन्य खाद्य तेलों में मांग की तुलना में स्टॉक की स्थिति अच्छी होने से गिरावट रही। इस दौरान दाल दलहनों में मिला जुला रुख देखा गया जबकि मूंगफली को छोड़ कर अन्य खाद्य तेलों में गिरावट दर्ज की गयी। देश में चावल की आपूर्ति की स्थिति के मजबूत बने रहने के बीच स्थानीय बाजार में सामान्य स्तर के चावल की दरों में सप्ताह के दौरान नरमी दर्ज की गयी। औसत श्रेणी के चावल का भाव सप्ताहांत 3742 रुपये क्विंटल था जो इससे पिछले सप्ताहांत 3826 रूपये क्विंटल के आस पास था। इस तरह इसके थोक भावों में सप्ताह के दौरान 84 रुपये की गिरावट दर्ज की गयी है। भारत विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश है और कुल वैश्विक उत्पादन में करीब एक तिहाई योगदान करता है। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से भारत चावल का सबसे बड़ा निर्यातक भी बना हुआ है और विश्व बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए हाल में दिल्ली में चावल पर एक बड़ा वैश्विक आयोजन किया गया था । सप्ताह के दौरान गेहूं और आटा की कीमतों में क्रमशः 14 रुपये और छह रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गयी।

स्टॉक मार्केट में लेंसकार्ट की कमजोर एंट्री, पहले दिन ही नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 402 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 3 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 390 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 395 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण लेंसकार्ट के शेयर गिर कर 356.10 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे ये शेयर नुकसान की काफी हद तक भरपायी करने में सफल रहा। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 400.20 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.45 प्रतिशत के नुकसान में थे। लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड का 7,278.76 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 अक्टूबर से चार नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 28.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 40.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 7.56 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व हिस्सा 4.96 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,10,45,160 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें 2,150.74 करोड़ रुपये के 5,35,01,096 नए शेयर और 5,128.02 करोड़ रुपये के 12,75,62,573 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं।आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नए कोको स्टोर का सेटअप करने, क्लाउड इंफ्रा तैयार करने, मार्केटिंग तथा अधिग्रहण करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 63.76 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 10.15 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी मुनाफे में आ गई। इस साल कंपनी को 297.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 61.17 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 3,927.97 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5,609.87 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 7,009.28 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 1,946.10 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 917.21 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 497.15 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में फिसल कर 345.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 335.48 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

ट्रंप ने बेलारूस के लिए विशेष दूत नामित किया, अधिक कैदियों की रिहाई की मांग की

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने जॉन कोएल को बेलारूस के लिए विशेष दूत के रूप में नामित किया है। कोएल ने हाल ही में बेलारूस से बंदियों की रिहाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ट्रंप ने कहा कि वे अब अधिक कैदियों की रिहाई के लिए प्रयास जारी रखेंगे। ट्रंप प्रशासन ने हाल के महीनों में बेलारूस के साथ राजनयिक संपर्कों में तेजी लाई है और इस वर्ष मिन्स्क में कई अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। सितंबर में, ट्रंप की अपील के बाद बेलारूस ने 52 कैदियों को रिहा किया था। ट्रंप ने इससे पहले लुकाशेंको से 1,400 बंदियों की रिहाई की मांग की थी, जिन्हें उन्होंने 'बंधक' कहा था। ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' नेटवर्क पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'जॉन कोएल अब तक 100 बंदियों की रिहाई सफलतापूर्वक करा चुके हैं और अब 50 और लोगों की रिहाई के लिए प्रयास कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं बेलारूस के अत्यंत सम्मानित राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको का अग्रिम धन्यवाद करता हूं, जो अतिरिक्त बंदियों की रिहाई पर विचार कर रहे हैं।'

भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल से की शिष्टाचार भेंट

काठमांडू। नेपाल के गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल से नेपाल स्थित भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने गृह मंत्रालय में शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में दोनों पक्षों के बीच आगामी प्रतिनिधि सभा चुनाव के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर भारतीय राजदूत श्रीवास्तव ने कहा कि आगामी 5 मार्च को होने वाला प्रतिनिधि सभा चुनाव शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न होगा, ऐसा उन्हें विश्वास है। उन्होंने कहा कि भारत सदैव नेपाल में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की सफलता के पक्ष में सकारात्मक भूमिका निभाता रहा है। राजदूत श्रीवास्तव ने यह भी उल्लेख किया कि भारत और नेपाल के बीच लंबे समय से चले आ रहे सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध भविष्य में और प्रगाढ़ होंगे। गृहमंत्री अर्याल ने नेपाल की वर्तमान स्थिति को संवेदनशील बताते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता शांति-सुरक्षा, सुशासन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासनिक सेवा सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि सरकार घोषित तिथि पर भयमुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गाजा ने इजराइल को मृत बंधक का शव सौंपा, 2014 के सैनिक होने का दावा

काहिरा। इजराइल को गाजा से एक मृत बंधक का शव प्राप्त हुआ, जिसे फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास ने उस इजराइली सैनिक का बताया है, जो एक दशक पहले युद्ध में मारा गया था। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में बताया कि शव को रेड क्रॉस की मध्यस्थता से गाजा में इजराइली बलों को सौंपा गया। हालांकि अब तक औपचारिक पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। हमास के सशस्त्र विंग ने दावा किया था कि वह हदार गोल्डिन नामक उस सैन्य अधिकारी का शव सौंपेगा, जो 2014 के इजराइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा में एक घात लगाकर किए गए हमले में मारा गया था। अक्टूबर 2023 से जारी युद्ध में 10 अक्टूबर को लागू युद्धविराम के बाद से हमास अब तक 20 जीवित बंधकों को रिहा कर चुका है। यह रिहाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से हुए समझौते का हिस्सा बताई जा रही है, जिसका उद्देश्य संघर्ष को समाप्त करना है। इस समझौते के तहत इजराइल ने लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों और युद्ध बंदियों को रिहा किया है। इसके साथ ही, गाजा में मारे गए 28 बंधकों के शवों के बदले इजराइल ने 360 फिलिस्तीनी उग्रवादियों के शव लौटाने पर भी सहमति जताई है।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों और पावर ग्रिडों पर सैकड़ों ड्रोन दागे, कई शहरों में बिजली-पानी ठप

कीव। रूस के लगातार हमलों के बाद यूक्रेन अपने ऊर्जा ढांचे को फिर से पटरी पर लाने के लिए जूझ रहा है। 08 नवम्बर की रात रूस ने देशभर के ऊर्जा संयंत्रों और पावर ग्रिडों पर सैकड़ों ड्रोन दागे, जिससे कई इलाकों में बिजली, हीटिंग और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई।यूक्रेन की सर्दियों में हालात और बिगड़ने की आशंका है, क्योंकि तापमान गिरने के साथ ही हीटिंग सिस्टम पर निर्भरता बढ़ जाती है। यूक्रेन की प्रमुख ऊर्जा कंपनी सेंट्रएनर्गो ने बताया कि उसके बिजली उत्पादन संयंत्रों पर भी निशाना साधा गया है। कंपनी के तीन में से एक बड़ा संयंत्र पहले से ही रूसी कब्जे वाले इलाके में है। बाकी दो संयंत्रों पर हमलों के बाद अब बिजली उत्पादन शून्य पर आ गया है। देश की ऊर्जा आपूर्ति संचालक एजेंसी उक्रएनर्गो के अनुसार अधिकांश क्षेत्रों में 09 नवम्बर को दिन में 08 से 16 घंटे तक बिजली कटौती लागू रहेगी, ताकि क्षतिग्रस्त संरचनाओं की मरम्मत की जा सके और बिजली के वैकल्पिक स्रोत तैयार किए जा सकें। ऊर्जा मंत्री स्वितलाना ग्रिनचुक ने इसे 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद की सबसे कठिन रातों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि कीव, दिनप्रो, डोनेत्स्क, खार्किव, पोलतावा, चेर्निहिव और सूमी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नियमित बिजली कटौती जारी रह सकती है।

भारत और अंगोला की साझेदारी आपसी विश्वास, सम्मान और साझा समृद्धि की दृष्टि पर आधारित: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

लुआंडा (अंगोला)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत और अंगोला के बीच की साझेदारी आपसी विश्वास, सम्मान और साझा समृद्धि की दृष्टि पर आधारित है। उन्होंने दोनों देशों से भारत-अफ्रीका फोरम समिट के व्यापक ढांचे के तहत सहयोग को और गहरा करने की अपील की । राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मु ने अंगोला की राजधानी लुआंडा में राष्ट्रपति जोआओ मैनुएल गोंकाल्वेस लोरेन्सो के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान मत्स्य पालन, जलीय कृषि और समुद्री संसाधनों के साथ-साथ वाणिज्यिक मामलों में सहयोग से जुड़े दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, कृषि, स्वास्थ्य, रक्षा और अवसंरचना के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई। उन्होंने आपसी संपर्क, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी साझेदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि अंगोला भारत की ऊर्जा सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भागीदार है और दोनों देशों के बीच ऊर्जा व्यापार लगातार सुदृढ़ हो रहा है। उन्होंने अंगोला के विकास प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह देश अपने नागरिकों की प्रगति और समृद्धि के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है।दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोग जारी रखने और साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर सामंजस्यपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने पर सहमति जताई। राष्ट्रपति मुर्मु ने अंगोला द्वारा इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस (जीबीए) में शामिल होने के निर्णय का स्वागत किया, और इसे पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास की दिशा में एक मजबूत कदम बताया। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुएल गोंकाल्वेस लोरेन्सो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के सम्मान में राष्ट्रपति भवन, लुआंडा में भोज का आयोजन भी किया।

मधेश प्रदेश में सियासी भूचाल: होटल से सीएम नियुक्ति और शपथग्रहण पर हंगामा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में मधेश प्रदेश की राजनीति से लेकर देश की राजधानी काठमांडू तक सोमवार सुबह सियासी हलचल मच गई, जब प्रदेश के राज्यपाल सुमित्रा देवी भण्डारी ने महोत्तरी के बर्दिबास स्थित एक होटल से नेकपा (एमाले) संसदीय दल के नेता सरोज कुमार यादव को प्रदेश का मुख्यमन्त्री नियुक्त कर दिया। के पी शर्मा ओली के प्रधानमन्त्रित्व काल में प्रदेश प्रमुख नियुक्त हुईं भण्डारी ने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को दरकिनार करते हुए संविधान की धारा 168(3) के तहत बर्दिबास होटल में ही यादव को शपथ दिलाई। इस कदम से राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। पूर्व मुख्यमन्त्री जितेन्द्र सोनल, जिन्होंने एक दिन पहले ही इस्तीफा दिया था, ने भण्डारी पर मधेश की जनता के साथ विश्वासघात का आरोप लगाया।

नाव डूबने से रोहिंग्या समुदाय के 11 लोगों की मौत

एजेंसी

क्वालालंपुर। थाईलैंड-मलेशिया सीमा के पास रोहिंग्या समुदाय के लोगों को ले जारी एक नाव के डूब जाने से लगभग 11 लोगों की मौत हो गई है। मलेशियाई अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक नाव में रोहिंग्या समुदाय के लगभग 70 लोग सवार थे, जबकि एक अन्य नाव में करीब 230 यात्री सवार थे। हालांकि दूसरी नाव के यात्रियों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है।

मलेशिया के समुद्री प्रवर्तन एजेंसी के एक अधिकारी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बचाव अभियान दल ने सात शवों को बरामद किया है जबकि 13 लोगों को जीवित बचा लिया गया हैं। इस बीच थाईलैंड के अधिकारियों ने इससे पहले बताया था कि उनके राहत एवं बचाव दलों ने चार शव बरामद किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि 230 यात्रियों वाली दूसरी नाव की तलाश जारी है, लेकिन अभी तक इस बाबत कोई जानकारी नहीं मिली है। नाव म्यांमार के बूथिदॉन्ग से रवाना हुई थी। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद से रोहिंग्या समुदाय खतरे में हैं , जिसके कारण हजारों लोग समुद्री रास्ते से मलेशिया और अन्य देशों में शरण लेने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, कई नावें खराब मौसम या तस्करों की लापरवाही के कारण डूब जाती हैं।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना पर चिंता जताई है और क्षेत्रीय देशों से तत्काल सहायता की अपील की है।

संसद पुनर्स्थापना मुद्दे पर नेपाली कांग्रेस में मतभेद, महासचिव ने जताई आपत्ति

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की संसद-प्रतिनिधि सभा के पुनर्स्थापना के मुद्दे पर नेपाली कांग्रेस के भीतर आंतरिक मतभेद उजागर हो गये हैं। पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा निवर्तमान संसद की पुनर्बहाली के पक्ष में लामबंदी कर रहे हैं जबकि पार्टी के महासचिव गगन थापा के अगले वर्ष चुनाव कराने के पक्ष में आवाज़ मुखर कर रहे हैं। पार्टी के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा के निर्देशन में, जो इस समय सिंगापुर में हैं, नेपाली कांग्रेस ने रविवार से सांसदों के हस्ताक्षर कराने की प्रक्रिया शुरू की। मुख्य सचेतक श्याम घिमिरे ने देउबा के आदेश पर इस हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की, ताकि 12 सितम्बर को सुशीला कार्की के नेतृत्व में गठित अंतरिम सरकार के बाद भंग की गई संसद को पुनर्स्थापित किया जा सके।

इस कदम के साथ, नेपाली कांग्रेस और नेकपा (एमाले) दोनों ही संसद पुनर्स्थापना के पक्ष में खड़ी हो गई हैं। हालांकि, नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा ने इस कदम का सार्वजनिक रूप से विरोध किया है। उनका कहना है कि आगामी 5 मार्च को निर्धारित आम चुनाव नियत समय पर ही कराए जाने चाहिए।

थापा ने सुबह सोशल मीडिया पर लिखा है कि 5 मार्च को होने वाला चुनाव ही नई संसद लाने और संवैधानिक मार्ग बहाल करने का एकमात्र माध्यम है। इस विषय में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट रूप से यही रुख रखा था और पार्टी की केन्द्रीय कार्यसमिति पहले ही इस निर्णय का अनुमोदन कर चुकी है। थापा ने स्पष्ट किया कि वर्तमान भ्रम पार्टी महाधिवेशन से जुड़ा है, न कि आम चुनाव से। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी का महाधिवेशन राष्ट्रीय चुनाव से पहले पूरा होना चाहिए।

पीआईए की उड़ाने सोमवार को लगातार छठवे दिन भी बाधित रही

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में विमान इंजीनियरों की जारी हड़ताल के कारण पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की उड़ानें सोमवार को लगातार छठवे दिन भी बाधित रही जिसके कारण सैकड़ों यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। सोसाइटी ऑफ एयरक्राफ्ट इंजीनियर्स ऑफ पाकिस्तान (एसएईपी) के सदस्य वेतन असमानता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर हड़ताल पर हैं, जिसके कारण नौ उड़ानें रद्द हो गई और 18 अन्य में तीन से दस घंटे तक की देरी हुई। गौरतलब है कि पीआईए प्रबंधन और इंजीनियरों के बीच विवाद चार नवंबर को उस समय चरम पर पहुंच गया, जब इंजीनियरों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए विमानों के 'एयरवर्थनेस' प्रमाणपत्र जारी करने से इनकार कर दिया। इससे देश भर में पीआईए की कई उड़ानें ठप हो गईं। इस बीच आज रद्द हुई उड़ानों में आबू धाबी से पेशावर, दुबई से कराची, फैसलाबाद से दुबई, दुबई से फैसलाबाद, पेशावर से दुबई जैसी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं, जबकि घरेलू स्तर पर गिलगित-इस्लामाबाद और स्कार्दू-इस्लामाबाद की आने जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुई हैं।

देरी से उड़ान भरने वाली उड़ानों में में इस्लामाबाद से अल ऐन को करीब 10 घंटे की देरी का सामना करना पड़ा, जबकि लाहौर से मदीना , इस्लामाबाद से जेद्दा , कराची से जेद्दा और अन्य रूट्स पर भी व्यवधान हुआ। रिपोर्टों के मुताबिक यात्रियों ने हवाई अड्डों पर लंबे इंतजार की शिकायत की, जिसमें उड़ानों में होने वाली देरी के कारण कईयों को होटलों में ठहरना पड़ा। इस बीच एक घटना में, लाहौर से जेद्दा जा रही पीआईए उड़ान पीके-859 के विमान का विंडशील्ड टूट गया, जिसके कारण विमान को वापस लाहौर लौटना पड़ा। इंजीनियरों का दावा है कि उन्होंने पहले ही विमान की 'उड़ान योग्य' ना होने की चेतावनी जारी कर दी थी , लेकिन प्रबंधन ने इसे नजरअंदाज किया। एसएईपी के अनुसार, हड़ताल के पीछे दो मुख्य मुद्दे हैं जिसमें वेतन में असमानता और सुरक्षा जोखिम शामिल हैं। संगठन का कहना है कि पायलटों को वेतन में वृद्धि मिल रही है जबकि इंजीनियरों के वेतन में पिछले एक साल से कोई बढ़ोतरी नही हुई है। इसके अलावा उन्हें विमानो में पुराने 'स्पेयर पार्ट्स' को दोबारा उपयोग में लाने के निर्देश दिए जा रहे हैं, और 'नए पार्ट्स' उपलब्ध ही नहीं कराए जा रहे। एसएईपी अध्यक्ष अब्दुल्लाह जदून ने कहा, 'हम यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हैं। प्रबंधन द्वारा बनाई गए निराशाजनक 'कार्य वातावरण' में भी हम समझौता नहीं करेंगे। संगठन की मांगों में वेतन वृद्धि, नए स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता और बेहतर कार्य स्थितियां शामिल हैं। इस बीच पीआईए प्रबंधन ने इंजीनियरों पर 'निजीकरण' प्रक्रिया को बाधित करने का आरोप लगाया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने हड़ताल करने वाले इंजीनियरों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। प्रबंधन के एक अधिकारी ने कहा, 'यह एक गैर-मान्यता प्राप्त इकाई की विमानों के संचालन को रोकने और निजीकरण का विरोध करने की कोशिश है। उड़ान व्यवधान के लिए जिम्मेदार इंजीनियरों को परिणाम भुगतने होंगे।' विवाद बढ़ने के साथ ही एसएईपी के अध्यक्ष जदून और महासचिव अवैस जदून को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया, जिसके खिलाफ संगठन अदालत जाने की योजना बना रहा है।पिछले दो महीनों से इंजीनियर काले रिबन बांधकर निम्न वेतन के खिलाफ विरोध जता रहे थे। एयर लीग और ऑफिसर्स एसोसिएशन ने एसएईपी अधिकारियों की बहाली की मांग की है और प्रबंधन से बातचीत के माध्यम से मुद्दों का समाधान करने का आग्रह किया।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई यात्रा में व्यवधान, 2000 उड़ाने रद्द

वाशिंगटन। अमेरिका में सरकारी शटडाउन के बीच एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की भारी कमी के कारण हवाई यात्रा में व्यवधान जारी है। रविवार शाम लगभग पांच बजे (पूर्वी समय) तक संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर, अमेरिका में आने वाली या अमेरिका से बाहर जाने वाली 2,000 से ज़्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। अमेरिका की सरकारी एजेंसी संघीय उड्डयन प्रशासन ने इसकी पुष्टि की है। सीएनएन चैनल ने फ्लाइट ट्रैकिंग साइट, फ्लाइटअवेयर के हवाले से यह खबर प्रसारित की। ट्रैकिंग साइट के अनुसार, इसके अलावा 7,000 से ज्यादा उड़ानें विलंबित हुई हैं। संघीय उड्डयन प्रशासन के उड़ानों में चार प्रतिशत की अनिवार्य कटौती के बाद अमेरिका में हवाई यात्रियों की मुश्किल बढ़ गई है। हालांकि कुछ उड़ानों को खराब मौसम के कारण स्थगित करना पड़ा है। अगर शटडाउन की समस्या खत्म नहीं होती तो विमान कंपनियों को अगले सप्ताह अपने शेड्यूल में धीरे-धीरे कटौती करनी होगी। न्यूयॉर्क शहर, वाशिंगटन, डीसी, अटलांटा, नैशविले, डलास-फोर्ट वर्थ, शिकागो, ऑरलैंडो, ऑस्टिन और फीनिक्स के हवाई अड्डे के कई टर्मिनल बंद हैं।

इससे पहले शनिवार को 1,500 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और 6,600 से ज्यादा में देरी हुई। संघीय उड्डयन प्रशासन ने माना कि एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स और फेडरल सिक्योरिटी स्क्रीनर्स का वेतन न मिल पाने के कारण स्टाफ की भारी कमी हुई है। इससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। सीएनएन के अनुसार, न्यूयॉर्क शहर के तीन प्रमुख एयरपोर्ट-नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल, ला गार्डिया और जॉन एफ. कैनेडी इंटरनेशनल में शनिवार को विमानों के आगमन और प्रस्थान में औसतन चार घंटे तक की देरी हुई। अमेरिका के परिवहन सचिव सीन डफी ने कहा कि यदि गतिरोध जल्द नहीं सुलझा तो कटौती 15-20 प्रतिशत तक भी पहुंच सकती है।

अमेरिका में डेमोक्रेट पड़े नरम, शटडाउन पर गतिरोध खत्म होने के संकेत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी इतिहास के अब तक के सबसे लंबे सरकारी शटडाउन पर ट्रंप प्रशासन के लिए अच्छी खबर है। सीनेट के कई डेमोक्रेट्स ने व्हाइट हाउस से कुछ महत्वपूर्ण घोषणा होने पर सरकार के पक्ष में मतदान करने की इच्छा जताई है। वार्ता में शामिल एक व्यक्ति के अनुसार, यह इस बात का संकेत है कि शटडाउन से मंडराया संकट दूर होने के करीब है।सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में जनवरी तक धन के लिए नया अस्थायी उपाय शामिल होगा और कई प्रमुख एजेंसियों को पूरी तरह से वित्तपोषित करने के लिए एक बड़े पैकेज से जुड़ा होगा। इस व्यापक विधेयक में तीन पूर्ण वर्षीय विनियोग विधेयक शामिल होंगे। यह सैन्य निर्माण और पूर्व सैनिकों के मामलों, विधायी शाखा और कृषि विभाग से संबंधित होंगे। विधायी शाखा को वित्तपोषित करने वाले विधेयक के शीर्ष डेमोक्रेटिक विनियोगकर्ता सीनेटर पैटी मरे के प्रस्ताव के सारांश के अनुसार, इसमें कांग्रेस के सदस्यों के लिए सुरक्षा उपायों और संरक्षण को बढ़ाने के लिए 203.5 मिलियन डॉलर का नया वित्त पोषण और यूएस कैपिटल पुलिस के लिए 852 मिलियन डॉलर शामिल हैं। इस समझौते में समाप्त हो रही उन्नत किफायती देखभाल अधिनियम सब्सिडी का विस्तार शामिल नहीं होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि शटडाउन के मसले पर अभी भी कई प्रमुख अड़चनें हैं। इनमें से प्रमुख है बर्खास्त किए गए संघीय कर्मचारियों को बहाल करने की डेमोक्रेट्स की मांग। दो सूत्रों ने सीएनएन को बताया कि संघीय सरकार में शटडाउन के दौरान हुए कुछ फैसलों को वापस लिया जा सकता है। यह स्पष्ट नहीं है कि इस मसले पर मतदान कब होगा। दोनों पक्षों में अंतिम बातचीत पर्दे के पीछे चल रही है। सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून ने संकेत दिया है कि प्रारंभिक मतदान ही हो सकता है।

उन्होंने संकेत दिया कि सीनेट पहले सदन से पारित हो चुके अस्थायी उपाय पर मतदान करेगी। इसे आगे बढ़ाने के लिए आठ डेमोक्रेट्स का समर्थन आवश्यक होगा। इसके बाद सीनेट दोनों दलों के बीच बातचीत से तय हुए बड़े वित्त पोषण पैकेज के साथ उस विधेयक में संशोधन करेगी। यदि विधेयक सीनेट से पारित हो जाता है, तो इसे अंतिम मंजूरी के लिए सदन में वापस भेजना होगा ताकि इसे ट्रंप के पास भेजा जा सके। इस प्रक्रिया को पूरा होने में कई दिन और लग सकते हैं।

स्लोवाकिया में दो ट्रेनों की टक्कर, कई यात्री घायल

एजेंसी

ब्राटिस्लावा, स्लोवाकिया। स्लोवाकिया में दो ट्रेनों की टक्कर में दर्जनों यात्रियों के घायल होने की खबर है। देश के आंतरिक मंत्री माटुस सुताज एस्टोक ने यह जानकारी दी। एस्टोक ने दुर्घटनास्थल पर बताया कि यह दुर्घटनाघटना उस समय हुई जब पहले से ही खड़ी एक ट्रेन में एक अन्य ट्रेन ने पीछे से आकर टक्कर मार दी। बाद में उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित एक संक्षिप्त प्रेस वार्ता में कहा कि दुर्घटना राजधानी ब्राटिस्लावा और उसके 20 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित पेजिनोक के बीच के 'कॉरिडोर' में हुई । उन्होंने बताया कि इस दौरान दर्जनों लोग घायल हुए हैं जिसमें से 11 को अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि उन्होंने दुर्घटना में किसी की मृत्यु होने या फिर किसी के गंभीर रूप से घायल होने से इंकार किया है। इस बीच फेसबुक जारी जारी एक बयान में पुलिस ने कहा, 'प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रेनों की आमने-सामने टक्कर नहीं हुई, न ही कोई ट्रेन पटरी से उतरी।' हालांकि एक समाचार वेबसाइट ने एक यात्री का हवाला देते हुए बताया कि टक्कर के दौरान एक तेज 'धमाका' जैसी आवाज सुनाई दी।

दक्षिणी इक्वाडोर में जेल में हुए दंगे में चार कैदियों की मौत,40 घायल

एजेंसी

क्विटो। इक्वाडोर के दक्षिणी तटीय प्रांत एल ओरो की राजधानी माचाला में रविवार को जेल में हुए दंगों में कम से कम चार कैदियों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गये। राष्ट्रीय जेल प्रशासन एजेंसी एसएनएआई ने सोमवार को यह जानकारी दी। एसएनएआई ने एक बयान में कहा कि माचाला की जेल संख्या एक में तड़के हिंसा भड़क उठी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि यह दंगा कैदियों को एक उच्च-सुरक्षा वाली जेल में स्थानांतरित करने के कारण भड़का, जिसमें चार कैदियों की मौत हो गयी और कम से कम 40 अन्य घायल हो गए। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने संगठित अपराध से बढ़ती हिंसा से उपजी 'गंभीर आंतरिक अशांति' को शांत करने के लिए मंगलवार से कोटोपैक्सी और बोलिवर के मध्य प्रांतों के पाँच तटीय प्रांतों और तीन नगर पालिकाओं में 60 दिनों के नए आपातकाल की घोषणा की।

राष्ट्रपति ट्रंप भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के शपथ ग्रहण समारोह में होंगे शामिल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को भारत में नए अमेरिकी राजदूत और उनके करीबी सहयोगी सर्जियो गोर के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेंगे। बता दें कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अक्टूबर में सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का राजदूत नियुक्त किया गया। रविवार को व्हाइट हाउस की तरफ से जानकारी दी गई है कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत में अमेरिकी राजदूत के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद गोर के नई दिल्ली में कार्यभार संभालने की उम्मीद है।

अक्टूबर में सीनेट के मतदान द्वारा पुष्टि किए गए, 38 वर्षीय गोर भारत में सबसे कम उम्र के अमेरिकी राजदूत होंगे। गोर के बारे में कहा जाता है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक हैं। वह व्हाइट हाउस के राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय के निदेशक भी रहे थे। इन्हें ट्रंप सरकार के दूसरे कार्यकाल में 4,000 से अधिक पदों की जांच का दायित्व सौंपा गया था।

इससे पहले, राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर 22 अगस्त को गोर को लेकर किए इस पोस्ट में लिखा था, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि मेरे पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जिस पर मैं अपने एजेंडे को पूरा करने और अमेरिका को फिर से महान बनाने में हमारी मदद करने के लिए पूरी तरह भरोसा कर सकूं। सर्जियो एक अद्भुत राजदूत साबित होंगे।' अपनी नियुक्ति के बाद सर्जियो गोर 9 अक्टूबर से लेकर 14 अक्टूबर तक भारत के दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी से भी मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद, गोर ने एक्स पर लिखा था, आज शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होना सम्मान की बात है। आने वाले महीनों में भारत के साथ हमारे संबंध और भी मज़बूत होंगे! वहीं, पीएम मोदी ने भी लिखा, सर्जियो गोर का स्वागत करके खुशी हुई... मुझे विश्वास है कि उनका कार्यकाल भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि गोर दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए एक विशेष दूत के रूप में भी काम करेंगे। सितंबर में, सीनेट में अपनी पुष्टिकरण सुनवाई के दौरान, गोर ने भारत को एक रणनीतिक साझेदार बताया था, जिसका मार्ग इस क्षेत्र और उससे आगे की दिशा तय करेगा।

भारत में अमेरिकी राजदूत ने कहा था, भारत की भौगोलिक स्थिति, आर्थिक विकास और सैन्य क्षमताएं इसे क्षेत्रीय स्थिरता की आधारशिला और समृद्धि को बढ़ावा देने और हमारे राष्ट्रों के साझा सुरक्षा हितों को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाती हैं। भारत दुनिया में हमारे राष्ट्र के सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। मैं राष्ट्रपति के एजेंडे को पूरा करने और हमारे रक्षा सहयोग को बढ़ाकर, निष्पक्ष और लाभकारी व्यापार को गहरा करके, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करके और प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाकर अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने के लिए काम करूंगा।

वहीं, भारत के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करने को लेकर उन्होंने कहा, मैं भारत के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग को गहरा करने को प्राथमिकता दूंगा। इसमें संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विस्तार, रक्षा प्रणालियों के सह-विकास और सह-उत्पादन को आगे बढ़ाना और महत्वपूर्ण रक्षा बिक्री को पूरा करना शामिल है।

इस दौरान गोर ने कहा कि भारत की 1.4 अरब की आबादी और तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग अमेरिका के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर फार्मास्यूटिकल्स और महत्वपूर्ण खनिजों तक, अपार अवसर है और दोनों देशों के बीच सहयोग की संभावनाएं अपार हैं। इससे पहले सितंबर में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान न्यूयॉर्क में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की थी।

बरसीम- पौष्टिक दलहनी चारा फसल

बरसीम रबी मौसम में दलहनी चारे की एक महत्वपूर्ण फसल है। बरसीम दलहनी फसल होने के कारण मृदा की उर्वरता में वृद्धि करती है तथा इसका चारा अत्यन्त पौष्टिक, मुलायम, सुपाच्य तथा पशुओं को स्वाद में अच्छा लगने वाला होता है।

अतः इसे दुधारू पशुओं को खिलाने से दूध में वृद्धि तथा शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति अच्छे परिणाम मिलते हैं।

इन्हीं गुणों के कारण शहर के निकटस्थ क्षेत्रों में बरसीम की खेती से अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है तथा इसका प्रयोग हरी खाद के रूप में करना भी लाभदायक होता है, ठण्डे मौसम में लगातार हरा चारा प्राप्त करने के लिए यह सबसे उपयुक्त फसल है।

रसायनिक संगठन की दृष्टि से बरसीम में 20-2त्न प्रोटीन, 28-30त्न रेशा तथा शारीरिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अन्य खनिज लवण जैसे कैल्सियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, सोडियम तथा पोटेशियम आदि पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं।

बरसीम शीतोष्ण जलवायु वाले भागों में उगाई जाने वाली चारा फसल है। अधिक ठण्ड व पाले में उत्पादन में कमी हो जाती है। बुवाई के समय 25-30 डिग्री सेंटीग्रेड तथा वानस्पतिक वृद्धि के लिये 15-25 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त होता है।

तापमान 40 डिग्री सें.ग्रे. से अधिक होने पर पौधों की कटाई के बाद दुबारा वृद्धि नहीं होती परन्तु फसल से यदि बीज का उत्पादन लेना होता है तो फसल पकने के समय कुछ अधिक तापक्रम की आवश्यकता होती है। अतः इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश की जलवायु बरसीम की खेती के लिये उपयुक्त है।

बरसीम एक दलहनी फसल है अतः इसकी जड़ों में सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं प्रत्येक अवस्था में इन जड़ ग्रन्थियों में रह रहे जीवाणुओं का क्रियाशील रहना फसल की अच्छी वृद्धि के लिए अत्यन्त आवश्यक है। अतः बरसीम की खेती के लिए भूमि में उचित जल निकास का प्रबन्ध तथा अच्छा मृदा वायु संचार होना चाहिए। इसकी खेती सभी प्रकार की भूमियों में सफलतापूर्वक की जा सकती है। परन्तु भारी दोमट मिट्टी वाली भूमि जिसमें कि जल धारण क्षमता अधिक होती है, में अच्छी उपज प्राप्त होती है। बरसीम की खेती सामान्य से क्षारीय प्रकृति की भूमि में अच्छी प्रकार से उगाई जाती है किन्तु अम्लीय भूमि इसकी खेती के लिये अनुकूल नहीं है।

उन्नतशील प्रजातियाँ

बरसीम में गुणसूत्र के आधार पर दो प्रकार की प्रजातियाँ द्विगुणित तथा चतुर्गुणिक पायी जाती है। द्विगुणित - मिसकावी, वरदान, बरसीम लुधियाना-1

चतुर्गुणित - पूसा जायन्ट, टाइप-526, 678, 780

एक जुताई पलट हल से करने के बाद 4-5 बार हैरो तथा देशी हल लगाकर पाटा से खेत समतल कर लेना चाहिये। आवश्यकतानुसार समान सिंचाई हेतु क्यारियां भी बना लेनी चाहिये।

बुवाई की विधिः बरसीम की बुवाई की दो प्रमुख विधियाँ निम्न प्रकार से है-

पानी भरे खेत में पटेला चलाकर पानी गंदला करने के पश्चात छिटकवां विधि से बुवाई की जाती है। इस विधि में खेत की तैयारी धान में पौध रोपण करने की भाँति की जाती है। गंदले पानी में बुवाई करने से मिट्टी की एक हल्की पर्त बीजों के ऊपर के ऊपर चढ़ जाते है जिससे वे ढंक जाते हैं तथा उन्हें चिड़िया या दूसरे पक्षी नहीं खा पाते तथा पर्याप्त नमी होने के कारण बीज का अंकुरण व जमाव बहुत अच्छा होता है।

सूखे खेत में बुवाई

इस विधि में अच्छी प्रकार की भुरभुरी मिट्टी तैयार कर समतल किये गये खेत में पहले ही सिंचाई की क्यारियां बनाकर बुवाई छिटकवां विधि द्वारा या लाइन में देशी हल की सहायता से की जाती है। लाइन की बुवाई करने पर लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमी. रखनी चाहिये तथा बीज की गहराई 15-20 सेमी. से ज्यादा गहरी नहीं होनी चाहिये तथा अंकुरण हेतु पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिये बुवाई के तुरन्त बाद खेत में पानी लगा दिया जाता है।

द्विगुणित किस्मों की बीजदर 25 किग्रा./हे. तथा चतुर्गुणित किस्मों का बीज आकार में बड़ा होने के कारण 30-40 किग्रा./हे. होती है।

बीज का उपचार दलहनी फसल होने के कारण राइजोबियम कल्चर से होना अति आवश्यक है। बरसीम में राइजोबियम ट्राईफोली नामक बैक्टीरिया का कल्चर प्रयोग में लाया जाता है जिसके प्रयोग से पौधों में अच्छी प्रकार से जड़ गाँठ का निर्माण होता है।

जड़ की गाँठो में उपस्थित बैक्टीरिया वायुमण्डल से नाइट्रोजन प्राप्त करते हैं कल्चर प्रयोग हेतु सर्वप्रथम 100 ग्राम गुड़ को 1 लीटर पानी में उबालकर, ठण्डा कर लेते हैं, तत्पश्चात इसमें राइजोबियम कल्चर को घोल लेते हैं तथा बीज के बराबर मात्रा में भुरभुरी मिट्टी लेकर धीरे-धीरे छिड़ककर इस प्रकार मिलाते हैं कि मिट्टी ढेले ना बने ।

तैयार संवर्धित घोल इस प्रकार से तैयार की गई कल्चर युक्त मिट्टी को 24 घण्टे भिगोये गये बीज के साथ मिलाकर बुवाई हेतु प्रयोग कर लेते हैं। ध्यान रखने योग्य बात यह है कि कल्चर बीज को 24 घण्टे से अधिक नहीं रखना चाहिये अन्यथा बैक्टीरिया नष्ट होने लगते हैं।बरसीम दलहनी फसल होने के कारण इसकी जड़ों में राइजोबियम बैक्टीरिया होते हैं जो स्वयं वायुमण्डल से नत्रजन फिक्स करते है। अतः फसल को बाहर से कम नाइट्रोजन देने की आवश्यकता पड़ती है उन्नत फसल के उत्पादन हेतु 25-30 किग्रा. नत्रजन तथा 50-60 किग्रा. फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता पड़ती है।

अधिक उपज लेने के लिये प्रत्येक कटाई के बाद पानी लगाकर 5-6 किग्रा./हेक्टेयर की दर से यूरिया का छिड़काव करना चाहिये। लक्षण दिखाई पड़ने पर सूक्ष्म तत्वों का प्रयोग करना लाभकारी है।

बरसीम में ठण्डे मौसम में (मार्च माह तक) 15-20 दिन के अन्तर पर तथा मार्च के बाद 10-15 दिन के अन्तर पर सिंचाई की आवश्यकता होती है तथा प्रत्येक कटाई के बाद हल्का पानी लगा देने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

खरीफ की फसल के बाद रबी मौसम में बरसीम की खेती सुगमता पूर्वक की जा सकती है। बरसीम की खेती से अधिकतम लाभ प्राप्त करने हेतु निम्न प्रकार से फसल चक्र अपनाने पर मृदा की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ-साथ अधिकतम आय प्राप्त की जा सकती है।

धान - बरसीम
मक्का - बरसीम, कपास - बरसीम
ज्वार या मक्का (चारे के लिय) - बरसीम
मक्का (दाना) - बरसीम - मक्का (चारा)
मक्का (दाना) - बरसीम
सूडान घास - बरसीम
ज्वार या बाजरा-बरसीम-मक्का-लोबिया

फसल सुरक्षा

चारे की फसल होने के कारण चूंकि बार-बार कटाई की जाती है। अतः रोग तथा कीड़ो का प्रकोप प्रायः नहीं दिखाई पड़ता है अतः फसल सुरक्षा के उपायों की आवश्यकता पड़ती है परन्तु रोग प्रतिरोधी किस्म की प्रजातियां बोने से जड़ गलन, सुलझा तथा गेरूई जैसे रोगों को संभावना भी नहीं रहती है। इसलिये बुवाई के लिये उन्नतशील रोगरोधी प्रजातियां का चयन करना चाहिये।

पहली कटाई बुवाई के 50-60 दिन बाद करनी चाहिये तथा इसके बाद 30-35 दिन के अन्तराल पर 5-6 कटाई की जाती है। कटाई सदैव जमीन से 6-10 सेमी. की ऊँचाई से काटे जाने चाहिये जिससे पौधे की पुर्नवृद्धि में भाग लेने वाली कलिकाओं को हानि न पहुंचे।

उपज- बरसीम से चारे की कुल उपज 1000-1200 कि./हे. तक प्राप्त होती है।

केसर की खेती

जोगिंद्रनाथ दीक्षित

केसर का वानस्पतिक नाम क्रोकस सैटाइवस है। अंग्रेज़ी में इसे सैफरन नाम से जाना जाता है। यह इरिडेसी कुल का क्षुद्र वनस्पति है जिसका मूल स्थान दक्षिण यूरोप है। साइरिस परिवार का यह सदस्य लगभग 80 प्रजातियों में विश्व के विभिन्न भू-भागों में पाया जाता है। विश्व में केसर उगाने वाले प्रमुख देश हैं - फ्रांस, स्पेन, भारत, ईरान, इटली, ग्रीस, जर्मनी, जापान, रूस, आस्ट्रिया, तुर्किस्तान, चीन, पाकिस्तान के क्वेटा एवं स्विटज़रलैंड। आज सबसे अधिक केसर उगाने का श्रेय स्पेन को जाता है, इसके बाद ईरान को। कुल उत्पादन का 80% इन दोनों देशों में उगाया जा रहा है, जो लगभग 300 टन प्रतिवर्ष है।

भारत में केसर

केसर विश्व का सबसे कीमती पौधा है। केसर की खेती भारत में जम्मू के किश्तवाड़ तथा जन्नत-ए-कश्मीर के पामपुर (पंपोर) के सीमित क्षेत्रों में अधिक की जाती है। केसर यहां के लोगों के लिए वरदान है। क्योंकि केसर के फूलों से निकाला जाता सोने जैसा कीमती केसर जिसकी कीमत बाज़ार में तीन से साढ़े तीन लाख रुपये किलो है।

परंतु कुछ राजनीतिक कारणों से आज उसकी खेती बुरी तरह प्रभावित है। यहां की केसर हल्की, पतली, लाल रंग वाली, कमल की तरह सुन्दर गंधयुक्त होती है।

असली केसर बहुत महंगी होती है। कश्मीरी मोंगरा सर्वोतम मानी गई है। एक समय था जब कश्मीर का केसर विश्व बाज़ार में श्रेष्ठतम माना जाता था। उत्तर प्रदेश के चौबटिया ज़िले में भी केसर उगाने के प्रयास चल रहे हैं। विदेशों में भी इसकी पैदावार बहुत होती है और भारत में इसकी आयात होती है।

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से सिर्फ 20 किलोमीटर की दूरी पर एक छोटे शहर पंपोर के खेतों में शरद ऋतु के आते ही खुशबूदार और कीमती जड़ी-बूटी 'केसर' की बहार आ जाती है। वर्ष के अधिकतर समय ये खेत बंजर रहते हैं क्योंकि 'केसर' के कंद सूखी ज़मीन के भीतर पनप रहे होते हैं, लेकिन बर्फ़ से ढकी चोटियों से घिरे भूरी मिट्टी के मैदानों में शरद ऋतु के अलसाये सूर्य की रोशनी में शरद ऋतु के अंत तक ये खेत बैंगनी रंग के फूलों से सज जाते हैं। और इस रंग की खुशबू सारे वातावरण में बसी रहती है। इन केसर के बैंगनी रंग के फूलों को हौले-हौले चुनते हुए कश्मीरी लोग इन्हें सावधानी से तोड़ कर अपने थैलों में इक्ट्ठा करते हैं। केसर की सिर्फ 450 ग्राम मात्रा बनाने के लिए क़रीब 75 हज़ार फूल लगते हैं।

केसर को उगाने के लिए समुद्रतल से लगभग 2000 मीटर ऊँचा पहाड़ी क्षेत्र एवं शीतोष्ण सूखी जलवायु की आवश्यकता होती है। पौधे के लिए दोमट मिट्टी उपयुक्त रहता है। यह पौधा कली निकलने से पहले वर्षा एवं हिमपात दोनों बर्दाश्त कर लेता है, लेकिन कलियों के निकलने के बाद ऐसा होने पर पूरी फसल चौपट हो जाती है। मध्य एवं पश्चिमी एशिया के स्थानीय पौधे केसर को कंद (बल्ब) द्वारा उगाया जाता है।

केसर का पौधा सुगंध देनेवाला बहुवर्षीय होता है और क्षुप 15 से 25 सेमी (आधा गज) ऊंचा, परंतु कांडहीन होता है। इसमें घास की तरह लंबे, पतले व नोकदार पत्ते निकलते हैं। जो मूलोभ्द्व सँकरी, लंबी और नालीदार होती हैं। इनके बीच से पुष्पदंड निकलता है, जिस पर नीललोहित वर्ण के एकाकी अथवा एकाधिक पुष्प होते हैं। अप्रजायी होने की वजह से इसमें बीज नहीं पाए जाते हैं। प्याज तुल्य केसर के कंद / गुटिकाएँ प्रति वर्ष अगस्त-सितंबर माह में बोए जाते हैं, जो दो-तीन महीने बाद अर्थात नवंबर-दिसंबर तक इसके पत्र तथा पुष्प साथ निकलते हैं। इसके पुष्प की शुष्क कुक्षियों को केसर, कुंकुम, जाफरान अथवा सैफ्रन कहते हैं। इसमें अकेले या 2 से 3 की संख्या में फूल निकलते हैं। इसके फूलों का रंग बैंगनी, नीला एवं सफेद होता है। ये फूल कीपनुमा आकार के होते हैं। इनके भीतर लाल या नारंगी रंग के तीन मादा भाग पाए जाते हैं। इस मादा भाग को वर्तिका (तन्तु) एवं वर्तिकाग्र कहते हैं। यही केसर कहलाता है। प्रत्येक फूल में केवल तीन केसर ही पाए जाते हैं। लाल-नारंगी रंग के आग की तरह दमकते हुए केसर को संस्कृत में अग्निशाखा नाम से भी जाना जाता है।

जलविद्युत नहर में डूबी एक लड़की का शव बरामद करने के लिए एसडीआरएफ ने शुरू किया तलाशी अभियान

गांदरबल, 10 नवंबर (हि.स.)। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के बेला वासन इलाके के पास जलविद्युत नहर में सोमवार को डूबी एक लड़की का शव बरामद करने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने तलाशी अभियान शुरू किया है।

अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान बेला वासन निवासी गुल रहमान खान की बेटी उल्फत बानो के रूप में हुई है। माना जा रहा है कि लड़की गलती से नहर में गिर गई थी जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसकी तलाश शुरू की और फिर एसडीआरएफ की टीमों को मदद के लिए बुलाया गया।

एसडीआरएफ गांदरबल की टीमें, पुलिस और स्थानीय लोगों की सहायता से सुबह से ही तेज़ बहते पानी में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं। गोताखोर और बचावकर्मी रस्सियों और जालों का इस्तेमाल करके लड़की के शव का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि अभियान अभी भी जारी है और नहर के निचले इलाकों में अतिरिक्त टीमें तैनात की गई हैं।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग यातायात के लिए खुला

जम्मू, 10 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला है। छोटे और बड़े वाहनों को आज राजमार्ग के दोनों तरफ से जाने की अनुमति दी गई है।

जानकारी के अनुसार आज छोटे और बड़े दोनों प्रकार के वाहनों को श्रीनगर से जम्मू और जम्मू से श्रीनगर दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार कट आफ समय के बाद किसी भी वाहन को आवाजाही की इजाजत नहीं होगी। अधिकारियों ने जाम की स्थिति से बचने के लिए वाहन चालकों को अपनी लाइन में चलने की हिदायत भी दी है।

एडीजीपी आनंद जैन ने लखनपुर में 19 आईआरपी बटालियन का किया दौरा

कठुआ, 10 नवंबर । केंद्रीय शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के मुख्य प्रवेशद्वार लखनपुर में एडीजीपी आर्म्ड आनंद जैन ने आईआरपी बटालियन के नए दफ्तर का दौरा किया।

यह दौरा मुख्य रूप से सुरक्षा दृष्टिकोण से किया गया था।

एडीजीपी आनंद जैन ने बटालियन की तैनाती, व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने जवानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं तथा आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली।

दौरे के दौरान डीआईजी आर्म्ड विनोद कुमार, कमांडेंट एसएसपी अतुल शर्मा, एसएसपी पीसीआर राजिंदर सिंह, डिप्टी कमांडेंट एसएसपी के.वी. सिंह तथा डीएसपी संजीव शर्मा, लखनपुर थाना इंस्पेक्टर तारिक अहमद सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। दौरे का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना और जवानों की समस्याओं को समझना था।

एडीजीपी आनंद जैन ने जवानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।